समय के गंभीर ईशारे

(19-10-11 To 3-4-12)

संगम का समय अचानक समाप्त होना है।

19-10-11

- ✦ ऐसे बच्चों और बाप का प्यार सारे कल्प में इस समय ही प्राप्त होता है।यह प्यार का अनुभव औरों को भी करा रहे हो। अभी कोई-कोई लोग समझते हैं कि इन ब्राह्मण आत्माओं को कुछ मिला है। क्या मिला है, उसका स्पष्टीकरण होता जा रहा है।
- ✦ अभी बाप बच्चों से क्या चाहते हैं? बाप को सदा हर बच्चे में यही आशा है कि हर बच्चा बाप समान बन जाए। जैसे ब्रह्मा बाप विजयी बने, ऐसे हर बच्चा सदा विजयी बने।
- ✦ क्योंकि बापदादा ने काफी समय से इशारा दे दिया है कि **जो कुछ होना है वह अचानक होना है।** तो अचानक के हिसाब से बापदादा ने चेक किया मैजारिटी बच्चों में यह व्यर्थ संकल्प का संस्कार है। तो जब ब्रह्मा बाप व्यर्थ समय, व्यर्थ संकल्प के विजयी बन कर्मातीत हुए तो फालो फादर।
- ✦ अभी तो आपके लिए, बच्चों के लिए आवाह्न कर रहे हैं, आपकी एडवांस पार्टी भी आवाह्न कर रही है। सुनाया था चार बजे एडवांस पार्टी वाले भी वतन में आते हैं, तो पूछते हैं **कब मुक्ति का गेट खोलेंगे?** किसको खोलना है? आप सभी मुक्ति का गेट खोलनेवाले हो ना! आपका सम्पूर्ण बनना अर्थात् मुक्ति का गेट खुलना।
- ✦ ब्रह्मा बाप तो फरिश्ते रूप में आवाह्न कर रहे हैं।
- ✦ दीदी कहती है बाबा हम लोगों को लगन थी **घर जाना है, घर जाना है, घर जाना है।** दादी कहती है हमको लगन थी **कर्मातीत होना है, कर्मातीत होना है..।**
- ✦ बाप तो कहेगा कि इस दीवाली पर दीवाली करो। **एवररेडी। एवररेडी ?**
- ✦ क्योंकि सभी चाहते हैं, अज्ञानी भी चाहते हैं कि अब कुछ होना चाहिए, अब कुछ होना चाहिए लेकिन ताकत नहीं है। आप बच्चों में तो संकल्प को पूर्ण करने की ताकत है।
- ✦ बापदादा ने देखा कि गवर्मेन्ट के विशेष लोग जो निमित्त हैं उनको अच्छी तरह से सन्देश पहुंच गया कि ब्रह्माकुमारियां जिसके लिए समझते थे, यह क्या करेंगी। कुछ गलत फहमी भी थी लेकिन यह 75 वर्ष का सुनके अभी यह समझते हैं कि यह जो चाहें वह कर सकते हैं इसलिए जो भी निमित्त हैं गवर्मेन्ट में उन्हों तक आवाज अच्छा पहुंचा है, यह कमाल है एकमत की।
- ✦ एक दो में यही संकल्प रहे कि हम सभी साथ-साथ एक दो को आगे बढ़ाते **मुक्ति का गेट खोलके साथ जाना ही है।**
- ✦ तो बाप समझते हैं कि इस संकल्प से **गेट का दरवाजा खोलने के लिए** जल्दी तैयार हो जायेंगे।
- ✦ बापदादा सेवा के निमित्त आप सभी को इमर्ज करते हैं। भारत को जगायेंगे, जगा रहे हैं और आगे भी ऐसे वी.आई.पी तैयार करेंगे जो भारत को जगायेंगे। उनका अनुभव भारत वालों को जगायेगा।
- ✦ और मुख्य बात अपने को हर एक चाहे भारतवासी चाहे फारेनर्स जल्दी जल्दी ऐसे सम्पन्न बनाओ जो **आप सबकी सम्पन्नता मुक्ति का गेट खोल दे।**

- ✦ अभी सभी को तीव्र पुरुषार्थी बनना पड़े क्योंकि थोड़े समय में नम्बर आगे लेना है। तो तीव्र पुरुषार्थी बन आगे से आगे बढ़ते चलो।

15-11-11

- ✦ तो अपने से पूछो विश्व परिवर्तन के निमित्त बच्चे स्व सम्पन्न और सम्पूर्ण कहाँ तक बने हैं? क्योंकि राज्य स्थापन होना है तो पहले राज्य के निमित्त बनी हुई आत्मायें निमित्त बनेंगी उसके बाद दूसरे निमित्त बन सकते हैं। तो बापदादा ने देखा कि **अब सम्पूर्ण बनने में कुछ मार्जिन रही हुई है।**
- ✦ अभी सर्विस की रिजल्ट में और तीव्रता लानी है। हर समय आत्माओं को इतना समीप सम्बन्ध में लाओ, खुश बहुत होते हैं अभी ब्रह्माकुमारियों के कर्तव्य को जानने में बहुत नजदीक आये हैं लेकिन बापदादा ने पहले भी कहा वर्सा आत्माओं को बाप द्वारा मिलना है, तो बाप को जानें, समय को जानें, स्वमान को जानें तब वर्से के अधिकारी बनें। अभी बाप आया है, बाप वर्सा दे रहा है, यह बुद्धि में आये तब वर्सा लेके राज्य अधिकारी बनें।
- ✦ चारों ओर यह आवाज फैले जो गीत गाते हो हमारा बाबा आ गया। अब बापदादा यह रिजल्ट देखने चाहते हैं। परिवर्तन हुआ है, सर्विस का लाभ हुआ है, मेहनत का फल मिला है लेकिन अभी बाप तक नहीं पहुंचे हैं, इसका कोई प्लैन बनाओ। बाप की प्रत्यक्षता कैसे हो? राजधानी में राज्य करने वाले भी निर्विघ्न बने हैं? **अब परिवर्तन का बटन ड्रामा दबाये, एवररेडी? एवररेडी हैं? बटन दबायें?** क्या समझते हैं, **बटन दबायें? एवररेडी हैं?** क्योंकि सब तैयार चाहिए, राज्य अधिकारी भी, रॉयल फैमिली भी, रॉयल प्रजा भी और साधारण प्रजा तो कोई बड़ी बात नहीं।
- ✦ बापदादा को बटन दबाने में तो देरी नहीं लगेगी।
- ✦ दबायें बटन? एवररेडी हैं?
- ✦ सिर्फ आप नहीं, राजधानी है। आप राज्य किस पर करेंगे? राजधानी तो चाहिए ना! (साथी हैं) सब तैयार हैं? (बिल्कुल तैयार हैं) सम्पन्न बनने में तैयार हैं?
- ✦ बापदादा जानते हैं कि अभी भी रेडी हैं एवररेडी बनना पड़े।
- ✦ अभी अटेन्शन देना है, सम्पन्न और सम्पूर्ण बनने में क्योंकि कम से कम 108 की माला तैयार कर सको, कर सकते हो? 108 की माला तैयार है? तैयार है? क्योंकि राजधानी में राज्य अधिकारी तो वही बनेंगे ना। लिस्ट अभी निकाल सकते हो 108 रत्नों की? निकाल सकते हो? निकाल सकते हैं? हाँ जी नहीं कहते हैं? 108 राज्य अधिकारी, फिर 16 हजार 108 राज्य अधिकारी के साथी। फिर उसके बाद है नम्बरवार। तो बापदादा अभी समय प्रमाण, समय को समीप लाने वाले बच्चों से **यही चाहते हैं कि 108 की माला एवररेडी हो, बाप समान हो।** हैं ना इतना, पहली लाइन निकाल सकती है 108, हाँ या ना करो ना! साकार में जब ब्रह्मा बाप थे तो कई बार ट्रायल की लेकिन फाइनल नहीं हो सकी, लेकिन अब तो 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं, तो इस 75 वर्ष की जुबिली में कोई तो नवीनता करेंगे ना! तो नवीनता यही करो जो हर एक अपने को 108 की माला के मणके बनाये, **जो गिनती में आये हाँ 108 की माला तो बन गई** क्योंकि जब पहले राज्य अधिकारी बनें तब तो पीछे राज्य के सम्पर्क वाले बनें। उनको भी तो जगह चाहिए ना! तो बापदादा का कहने का यही सार है कि अभी हर एक को अपना तीव्र पुरुषार्थ कर और दृढ़

संकल्प करना है कि मुझे बाप समान बनना ही है **क्योंकि बापदादा ने सुना दिया है कि अचानक परिवर्तन होना है।** उसके पहले कम से कम जो सेवा के निमित्त बने हुए हैं, ज़ोन हेडस साथ में सेन्टर इन्चार्ज, साथ में उनके नजदीक के साथी पाण्डव,सेन्टर हेड नहीं बनते लेकिन कोई न कोई विशेष कार्य के निमित्त बने हुए जिनको विशेष आत्मा की नज़र से देखते हैं, उन पाण्डवों को भी अभी तीव्र पुरुषार्थ कर स्व परिवर्तन की झलक बाहर स्टेज पर लानी पड़ेगी। **इसके लिए एवररेडी हैं?**

✦ क्योंकि आजकल अपने कामों में, समस्याओं में ज्यादा बिजी होते जाते हैं। तो जगाना तो पड़ेगा ना। बाप आया और बच्चों को पता भी नहीं पड़े, तो यह तो उल्हना मिलेगा ना इसलिए सन्देश देना आपका काम है, उल्हना नहीं मिले, अपने मोहल्ले में भी, ऐसे नहीं सुनते नहीं है, सन्देश जरूर सबको पहुंचना चाहिए। कोई उल्हना नहीं दे।

✦ अभी तो बहुत अच्छा, सहज है। अभी तो समझते हैं कि ब्रह्माकुमारियों जैसा प्रोग्राम अच्छी तरह से कोई नहीं कर सकते हैं।अभी काफी फर्क हो गया है। आप लोगों ने ही किया है ना।

✦ **अभी समय नाजुक आ रहा है** ना इसलिए अटेन्शन थोड़ा ज्यादा चाहिए। अच्छा। फारेन वालों को बापदादा दिल से मुबारक और पुरुषार्थ में चढ़ती कला की मुबारक दे रहे हैं। अच्छा।

✦ बापदादा अभी सभी बच्चों को एक ही श्रेष्ठ संकल्प सुनाने चाहते हैं कि अभी स्वयं भी निर्विघ्न रहो और अपने साथियों को, सम्बन्ध में आने वालों को भी निर्विघ्न बनाओ। **समय को समीप लाओ। दुःख और अशान्ति बापदादा बच्चों का देख नहीं सकता।** अभी अपना राज्य जल्दी से जल्दी धरनी पर लाओ।

✦ दादी जानकी से:- (बाबा आप बहुत अच्छी अच्छी बातें सुनाते हैं) सुनायें नहीं तो सम्पन्न कैसे बनें। अभी तो बापदादा चाहते हैं जल्दी जल्दी सम्पन्न बनें।

30-11-11

✦ क्योंकि बापदादा ने समय का इशारा दे दिया है। अभी संगम का समय अति वैल्युबुल है और **बापदादा ने यह भी इशारा दे दिया है कि वर्तमान समय के प्रमाण सब अचानक होना है इसलिए सदा एवररेडी बनना है ना!** साथ चलेंगे ना सब कि पीछे पीछे आयेंगे? **बापदादा के साथ अपने घर चलना है ना!** रेडी हो ना! साथ चलने के लिए रेडी हो? एवरेडी। **रेडी भी नहीं, एवररेडी।** तो बापदादा समय का इशारा दे रहे हैं। इस एक जन्म में 21 जन्मों की प्रालब्ध बनानी है। तो सोचो कितना अटेन्शन देना है। बाप का हर बच्चे के साथ प्यार है, बाप यही चाहते हैं कि हर बच्चा बाप के साथ-साथ चले और साथ-साथ राज्य अधिकारी बनें।

✦ तो आप साथ चलने के लिए बाप समान सम्पूर्ण और सम्पन्न बनेंगे तब तो साथ चलेंगे ना! इस समय इस छोटे से जन्म में 21 जन्म की प्राप्ति निश्चित है। तो सोचो संगम का छोटा सा जन्म एक एक मिनट कितना महान है! **हिसाब लगाओ, इस जन्म में 21 जन्म का राज्य भाग्य लेना है तो संगम का एक मिनट भी कितना वैल्युबुल है।** तो इस वैल्यु को जान क्या करना पड़ेगा?

✦ बापदादा ने पहले भी सुनाया है कि दो बातों का विशेष अटेन्शन दो। दो बातें कौन सी? याद हैं ना! एक समय और दूसरा संकल्प। संकल्प व्यर्थ न जाये, समय व्यर्थ न जाये। एक एक सेकण्ड सफल हो। तो बोलो इतना अटेन्शन देना पड़ेगा ना! बापदादा का तो सभी बच्चों से प्यार है। बापदादा यही चाहते कि एक

बच्चा भी साथ से रह नहीं जाए। साथ है, साथ चलेंगे, साथ राज्य अधिकारी बन सदा जीवन में सुख शान्ति का अनुभव करेंगे। **तो बोलो,साथ चलेंगे ना! चलेंगे? रह तो नहीं जायेंगे?**

- ✦ संगमयुग ही भाग्यवान युग है। जो जितना भाग्य बनाने चाहे उतना बना सकते हैं। लेकिन बहुत समय का अटेन्शन चाहिए। तो सभी बच्चे अपने अपने पुरुषार्थ में अभी तीव्रता लाओ। पुरुषार्थी हैं,बापदादा देखते हैं पुरुषार्थ करते हैं लेकिन सभी का तीव्रता का पुरुषार्थ अभी होना चाहिए।
- ✦ क्योंकि बापदादा को लास्ट बच्चे से भी प्यार है। **लास्ट बच्चे को भी बापदादा यही चाहते कि साथ चले। रह नहीं जाये। पीछे पीछे नहीं रह जाए।** तो क्या करेंगे? अटेन्शन।
- ✦ वहाँ इस वारी गवर्मेन्ट के निमित्त बनी हुई आत्मायें ज्यादा आई हैं और रिजल्ट में मानते भी हैं कि अभी के समय अनुसार जबकि दु:ख और अशान्ति बढ़ रही है तो यह जो टॉपिक रखी है वह आवश्यक है क्योंकि जितना ही शान्ति चाहते हैं उतनी अशान्ति बढ़ रही है। कोई न कोई बात अशान्ति की आ ही जाती है। इसके लिए चारों ओर टेन्शन बढ़ रहा है और गवर्मेन्ट भी चाहती है कि भारत टेन्शन फ्री हो जाए।
- ✦ क्योंकि आप जानते हो **ब्रह्मा बाप भी आपका इन्तजार कर रहे हैं और आपकी एडवांस पार्टी भी आपका इन्तजार कर रही है,**कब समय को समीप लाते हैं क्योंकि समय को समीप लाने के जिम्मेवार आप हो। अपने को सम्पन्न बनाना अर्थात् समय को समीप लाना।
- ✦ अपने आप से यह संकल्प करो और प्रैक्टिकल करके दिखाओ। करना ही है। करेंगे, गे-गे नहीं.. अभी गे-गे अच्छी नहीं है। **समय आगे बढ़ रहा है, अंति में जा रहा है,**तो समय का परिवर्तन करने वाले क्या आप पूर्वजों को अपने दु:खी परिवार पर रहम नहीं आता? रहमदिल बनो। दु:खियों को सुख का रास्ता बताओ, चाहे मन्सा से, चाहे वाचा से, चाहे सम्बन्ध-सम्पर्क से। अपना परिवार है ना! तो परिवार का दु:ख मिटाना है। रहमदिल बनो। अच्छा।
- ✦ लेकिन बापदादा खुश है करते चलो, उड़ते चलो, **आखिर वह दिन आयेगा, समीप आ रहा है जो सब कहेंगे हमारा बाबा आ गया।** अभी जो भी विंग हैं उसमें ऐसी आत्मायें निकालो जो दिल से कहें मेरा बाबा आ गया। ऐसे नाम बापदादा के पास भेजना, जितनी भी सेवा की है, जितने भी निकले हैं उनमें से कितने कहते हैं मेरा बाबा आ गया! फिर बापदादा इनाम देगा। अभी यही सेवा धूमधाम से करो,ऐसे पुरुषार्थी निकलने चाहिए। प्रत्यक्षता करनी है ना। दु:खियों को सुखी बनाना है ना! इसी भारत को स्वर्ग बनाना ही है। तो कब बनायेंगे? विंग वाले सुनाओ कितना टाइम चाहिए? कितना टाइम चाहिए? बोलो। आप बोलो कितना समय चाहिए?
- ✦ ऐसा एक्जैम्पुल बनें जो सुनके औरों को भी उमंग आवे। **समय तो आ रहा है,** अभी तो समय भी आपको मदद देगा क्योंकि दु:ख बढ़ रहा है। फैंसला करते हैं तो फैंसला कहाँ होता है। (अभी सब अच्छा सहयोग देते हैं) सहयोग तो देते हैं लेकिन खुद आगे आवें। हो जायेगा।
- ✦ अभी ढीला पुरूषार्थ नहीं चलेगा, **समय आगे भाग रहा है** इसीलिए अभी तीव्र पुरुषार्थी बनना ही है, **समय की पुकार है -तीव्र पुरुषार्थी भव।** तो सभी बच्चों को बापदादा की बहुत-बहुत यादप्यार और तीव्र पुरुषार्थ की सौगात दे रहे हैं।

- ✦ क्योंकि आप सभी लास्ट समय के पहले पहुंच गये हो इसलिए मुबारक दे रहे हैं। अपना हक लेने के अधिकारी बन गये इसलिए आप सभी जो आज बापदादा बार-बार कह रहे हैं तीव्र पुरुषार्थी बनना। तीव्र पुरुषार्थी बन आगे से आगे बढ़ सकते हो। यह वरदान अभी प्राप्त हो सकता है।
- ✦ आखिर वह दिन भी आयेगा, आप लायेंगे जो सब कहेंगे वाह बाबा वाह!

15-12-11

- ✦ **तो बापदादा सभी बच्चों को समय का ईशारा दे रहे हैं। अचानक का पाठ पक्का करा रहे हैं,** इसके लिए इस संगम के समय का बहुत-बहुत महत्व रखना है क्योंकि इस एक जन्म में अनेक जन्मों की प्रालब्ध बनानी है इसलिए बापदादा ने इशारा दिया था **तो संगम के समय में दो बातों का हर समय अटेन्शन देना है। वह दो बातें तो याद होंगी- समय और संकल्प।**
- ✦ आपका इस समय के प्रमाण कार्य है विश्व की आत्माओं को सन्देश देने का। तो व्यर्थ संकल्प को समाप्त करना है तब दु:खी, अशान्त आत्माओं को सुख शान्ति का अनुभव करा सकेंगे। **बापदादा को दु:खी बच्चों को देख तरस पड़ता है। आपको भी अपने भाई-बहिनों को देख तरस तो पड़ता है ना!**
- ✦ अभी समय के प्रमाण जल्दी-जल्दी उन्हों को वारिस बनाओ, जो कुछ न कुछ वर्से के अधिकारी बन जायें।
- ✦ अभी समय प्रमाण सुनते भी रूचि से हैं। इतना अन्तर तो आया है। अच्छा-अच्छा लगता है लेकिन अच्छा बनाके कुछ न कुछ वर्से के अधिकारी बनाओ। इसके लिए बापदादा ने पहले भी इशारा दिया है कि अभी **समय अनुसार तीव्र पुरूषार्थी बनने की आवश्यकता है। तीव्र पुरुषार्थी बनने के लिए मुख्य पुरुषार्थ है सेकण्ड में बिन्दी लगाना।** सेकण्ड और बिन्दी, दोनों समान।
- ✦ बापदादा ने सभी बच्चों को साथ ले चलने का वायदा किया है। इसके लिए साथ चलने की तैयारी क्या करनी है? बाप तो सेकण्ड में अशरीरी बन जायेंगे लेकिन आपने जो वायदा किया है, बाप ने भी वायदा किया है साथ चलेंगे, तो चेक करो उसकी तैयारी है? **सेकण्ड में बिन्दी लगाई, सम्पन्न और सम्पूर्ण बन चला।** तो ऐसी तैयारी है? साथ तो चलना है ना! चलना है? कांध हिलाओ। चलना है, अच्छा। पक्का? हाथ में हाथ देना, इसका अर्थ है समान बनना। **तो चेक करो समय तो अचानक आना है, तो इतनी तैयारी है जो साथ में चलें?**
- ✦ बाप का बच्चों से प्यार है ना! तो बाप एक को भी साथ चलने में पीछे छोड़ने नहीं चाहते। साथ है, साथ रहेंगे,साथ चलेंगे और साथ राजधानी में राज घराने में आयेंगे। मंजूर है ना! मंजूर है? तैयारी है? मंजूर है में तो हाथ उठा लेंगे, यह हाथ नहीं उठाओ। तैयारी है, इसमें हाथ उठाओ। बड़ा हाथ उठाओ। अच्छा। **कल भी विनाश हो जाए तो तैयार हो?**
- ✦ अच्छा है उल्हना पूरा कर लो **क्योंकि होना तो अचानक ही है।** तो आपस में मिलकर इसी प्लैन को प्रैक्टिकल में लाओ। आपस में राय सलाह जल्दी करो, समय लग जाता है ना तो उमंग भी थोड़ा कम हो जाता है। बाकी बापदादा को तो पसन्द है कि घर-घर में यह उल्हना पूरा हो जाए तो **हमको तो पता नहीं** पड़ा, बाप आया और चला भी गया, वंचित रह गये।

- ✦ ऐसे ही बढ़ते रहो बढ़ाते रहो और विश्व में यह आवाज फैलाते रहो कि हम सेवाधारी बन विश्व को, इसमें भी भारत को स्वर्ग सुखमय जरूर बनायेंगे। अभी समझने लगे हैं कि ब्रह्माकुमारियों का यह वायदा, ब्रह्माकुमारियां पूरा कर भी रही हैं और करके ही छोड़ेंगी।
- ✦ क्योंकि लास्ट समय के पहले पहुंच गये हो।

31-12-11

- ✦ क्योंकि सब जानते हैं कि बापदादा हर बच्चे के लिए क्या चाहता है। बापदादा हर बच्चे के लिए यही शुभ भावना रखते हैं कि हर बच्चा बाप समान सम्पन्न और सम्पूर्ण बन जाये। **अब तो समय भी साथ दे रहा है।**
- ✦ क्योंकि समय का अटेन्शन रखें, यह सोचो कि सभी को इस संगम समय में भविष्य बहुत समय की सफलता प्राप्त करनी हैं। 21 जन्म का वर्सा लेना है। तो कहाँ यह एक जन्म और कहाँ 21 जन्म। तो इस एक जन्म में भी काफी समय अपना पुरुषार्थ तीव्र करना पड़े तभी बहुत समय की जो प्राप्ति करनी है, बाप से प्यार है ना तो साथ रहना है ना! नजदीक रहना है ना! ब्रह्मा बाप के साथी बनके राज्य अधिकारी बनना है ना! तो अब भी इतना समय बाप समान तो बनना पड़े।
- ✦ अभी बापदादा आने वाले नये वर्ष में नवीनता चाहते हैं **क्योंकि अभी समय दिन प्रतिदिन नाजुक आना ही है। तो ऐसे समय पर अभी ज्वालामुखी योग चाहिए।** वह ज्वालामुखी योग की आवश्यकता अभी आवश्यक है। ज्वालामुखी योग अर्थात् लाइट माइट स्वरूप शक्तिशाली, **क्योंकि समय प्रमाण अभी दु:ख, अशान्ति, हलचल बढ़नी ही है** इसलिए अपने दु:खी, परेशान आत्माओं को विशेष ज्वालामुखी योग द्वारा शक्तियां देने की आवश्यकता पड़ेगी। **दु:ख अशान्ति के रिटर्न में कुछ न कुछ शक्ति, शान्ति अपने मन्सा सेवा द्वारा देनी पड़ेगी।** जो आपने इस समय की टॉपिक रखी है, एक परिवार। उसके प्रमाण जब एक परिवार है, तो अशान्त आत्माओं को कुछ तो अंचली देंगे इसीलिए बापदादा अगला वर्ष जो आया कि आया उसके लिए विशेष अटेन्शन खिंचवा रहे हैं कि अभी ज्वालामुखी योग की आवश्यकता है। ज्वालामुखी योग द्वारा ही जो भी संस्कार रहे हुए हैं वह भी भस्म होने हैं। **अभी आपकी एडवांस पार्टी के साथी आप सबसे यह चाहते हैं कि अभी समय को, समाप्ति के समय को सामने लाओ। अब रिटर्न जरनी याद रखो। आपकी दीदी याद दिला रही है कि मुझे सदा यह याद रहता था ''अब घरजाना है'', अब घर जाना है। आपकी दादी यही याद दिला रही है कि जैसे मुझे याद रहा अभी सम्पन्न बनना है,सम्पूर्ण बनना है, धुन लगी रही।** तो आज विशेष अमृतवेले वतन में बापदादा से मिलन मनाते कह रहे थे कि अभी हमारे तरफ से, जो भी दादियां गई हैं सब मिलके कह रही थी अब ज्वालामुखी योग की बहुत आवश्यकता है, चाहे औरों को शक्ति देने के लिए, चाहे अपने ब्राह्मण परिवार को सम्पन्न बनाने के लिए। अभी समय को समीप लाने वाले आप निमित्त हो इसलिए आने वाले वर्ष में क्या करेंगे? विशेष क्या करेंगे? एक दो के स्नेही सहयोगी बन हर एक सेन्टर, सेवास्थान ज्वालामुखी योग का वायब्रेशन और कर्म में एक दो के स्नेही सहयोगी बन हर एक को आप अटेन्शन में रखते जो भी कमी है उसमें सहयोग दो। **मन्सा द्वारा अन्य आत्माओं की सेवा करो और अपने सहयोग द्वारा ब्राह्मण साथियों की विशेष सेवा करो, तभी हम लोगों की दिल की आश**

पूरी होगी। तो आज वतन में एडवांस पार्टी अगले साल के लिए आप सबको याद भी दे रही थी और अपने दिल की आशायें भी बता रही थी। तो बोलो, बापदादा का संकल्प तो सुना ही लेकिन साथ में अपने दादियों की भी अगले वर्ष के लिए शुभ भावनायें भी सुनी ना! बापदादा तो सभी बच्चों को चाहे कोई कमजोर है, चाहे तीव्र पुरुषार्थी है सबको तीन मुबारक दे रहे हैं – एक नव जीवन की मुबारक, दूसरी नव वर्ष की मुबारक और तीसरी नव दुनिया में साथी बन चलने की मुबारक।

- ✦ **जैसे बापदादा ने दो बातें पहले ही अटेन्शन में दिलाई हैं क्योंकि संगम का समय अचानक समाप्त होना है। तो एक समय, दूसरा संकल्प, दोनों पर हर घड़ी अटेन्शन।**
- ✦ **तो इस वर्ष का होमवर्क क्या रहा? फरिश्ता स्वरूप में रहना है, इसको ही कहा जाता है तीव्र पुरुषार्थ।** अभी हर एक सेन्टर, हर सप्ताह, हर स्टूडेन्ट की रिजल्ट देखे की तीव्र पुरुषार्थी रहे? अगर कोई भी बात आई, उसके लिए सहयोगी बन करके, स्नेह से उनको हिम्मत दे और अपने सेन्टर को, स्टूडेन्ट को तीव्र पुरुषार्थी बनाये, हर सप्ताह रिजल्ट देखे **क्योंकि समय हलचल का होना ही है।**
- ✦ सर्टीफिकेट भेजना कि हम सब निर्विघ्न, एवररेडी, तीव्र पुरुषार्थी हैं।
- ✦ क्योंकि अभी जो भी आपने यह 75 वर्ष का मनाया है, इसमें आपके साथी बहुत बने हैं। बड़े-बड़े परिचय वाले भी बने हैं इसलिए अभी इस प्वाइंट को अच्छी तरह से सिद्ध करो ।
- ✦ क्योंकि अभी सभी की बुद्धि में यह आ गया है कि ब्रह्माकुमारियां जो कर्तव्य कर रही हैं उससे ही कुछ बदल सकता है।
- ✦ और यह प्वाइंट आवश्यक है इससे ही परिवर्तन आयेगा। तो क्या करेंगे अभी? (अभी आपके यह डायरेक्शन जरूर पालन करेंगे)।
- ✦ ग्रुप तो बना होगा ना। तो वह लेके आना क्योंकि बापदादा यह विश्व को दिखाने चाहता है कि बाप ने भारत में जन्म लिया, उसका कारण यह निमित्त बनें।
- ✦ अभी एडीशन ज्वालामुखी योग। यह ज्वालामुखी योग सभी को समीप लायेगा क्योंकि शक्ति मिलेगी ना। आप भी लाइट माइट रूप बनेंगे। चलते फिरते भी लाइट माइट स्वरूप होंगे तो लोगों को भी वायब्रेशन आयेगा। फिर मेहनत कम और फल ज्यादा निकलेगा। जैसे भारत में अनुभव किया कि अभी जगह-जगह जो भी फंक्शन किये हैं, उसमें रिजल्ट पहले से अच्छी निकली है।

18-1-12

- ✦ अभी समय अनुसार जो उमंग है कि बाप को प्रत्यक्ष करना है, वह धीरे-धीरे आत्माओं के दिल में भी आने लगा है। समझते हैं कि ब्रह्माकुमारियों ने कुछ पाया है, परिवर्तन हो रहा है। पहले जो समझते थे पता नहीं क्या करते हैं,अभी यहाँ तक आये हैं कि अच्छा कार्य कर रहे हैं। जो हम नहीं कर सकते वह इन्होंने अपने संगठन में सफलता पाई है ।
- ✦ अभी आगे क्या करना है? सेवा की मुबारक तो बापदादा ने दे दी, अब बापदादा यही चाहते हैं कि अभी हर एक बच्चे को यह उमंग-उत्साह, दृढ़ निश्चय, तीव्र पुरुषार्थ करना है कि **अब बाप समान फरिश्ता बनना ही है क्योंकि अभी सभी को बाप के साथ रिटर्न जरनी करनी है।** समान फरिश्ता बनना ही है क्योंकि सभी का वायदा है साथ चलेंगे, साथ राज्य करेंगे। तो ब्रह्मा बाप भी फरिश्ता बन गया, तो साथ कैसे

चलेंगे? ब्रह्मा बाप ने जीवन में ही फरिश्तापन का स्वरूप दिखाया। कितनी जिम्मेवारी रही! सभी को योगी बनाना ही है लेकिन इतनी जिम्मेवारी होते भी आप सबने देखा न्यारा और प्यारा रहा। सदा बेफिक्र बादशाह रहा, फिकर नहीं बेफिक्र बादशाह। **ऐसे ही आप बच्चों को भी अभी बाप समान बेफिक्र बादशाह फरिश्ता बनना ही है। यह दृढ़ संकल्प है, बनना ही है!** कि यह सोचते हो बन ही जायेंगे! अभी बापदादा ने देखा कि अभी समय अनुसार जितना सेवा का उमंग-उत्साह प्रैक्टिकल में है इतना ही अभीतीव्र पुरुषार्थी बनना और बनाना, सम्पन्न बनना और बनाना, इस प्वाइंट के ऊपर भी अभी स्वयं भी उमंग-उत्साह में रहना और वायुमण्डल में भी उमंग-उत्साह दिलाना। **एक दो के सहयोगी बन अब वायुमण्डल में तीव्र पुरुषार्थ की लहर फैलाओ।** जैसे एक दो में सेवा का उमंग वायुमण्डल में फैलाया है ऐसे अभी बापदादा बच्चों में यही शुभ आशा रखते हैं कि यह लहर वायुमण्डल में फैले। बापदादा खुश है लेकिन अभी भी पुरुषार्थ है, तीव्र पुरुषार्थ करना है।

- ✦ क्योंकि अभी समय के प्रमाण आप सभी को मन्सा शक्ति द्वारा आत्माओं की मन्सा सेवा करने का समय होगा। इसके लिए सदा मन के ऊपर अटेन्शन रखना जरूरी है। कहा हुआ भी है मनजीत जगतजीत।
- ✦ यह दो मास जो दिया है, इसमें नोट करना स्वराज्य अधिकारी रहे? या कर्मेन्द्रियों के वश बन गये? **अभी कर्मातीत बनना है, समय समीप आ रहा है।** तो क्या करना है? चलते-फिरते स्वराज्य अधिकारी बनना ही है।
- ✦ बापदादा ने आज सभी का जो स्नेह है वह स्वीकार किया। अमृतवेले तो वतन में भी बहुत बच्चों की रिमझिम थी। **एडवांस पार्टी** भी वतन में आज अपने दिल का स्नेह देने लिए, लेने लिए आये थे। **अब वह बाप से पूछते हैं कि आखिर हमारा यह पार्ट कब तक?** क्या जवाब दें? पहली लाइन वाले बताओ क्या जवाब दें? क्या कहा? (दादी जानकी ने कहा हम रेडी हैं) आप अकेले जायेंगी? (सभी जायेंगे) आपका प्यार है ना, ऐसे छोड़कर राज्य कैसे करेंगे। (एडवांस पार्टी वाले हमको क्यों छोड़कर चले गये) उन्हों का पार्ट था ना। उन्हों को जाना ही था। अभी आप यह कोशिश करो कि जल्दी जल्दी संगठन तैयार करो। जो दो मास काम दिया है ना, अगर यह काम आप सभी को करा देंगे, रिजल्ट निकालेंगे तो जल्दी हो जायेगा।
- ✦ अभी बापदादा ने हर बच्चे को यह दो मास दिये हैं, इसमें **जितना अटेन्शन देंगे तो अटेन्शन के साथ बापदादा भी एकस्ट्रा आपको सहयोग देगा। मन के मालिक।**
- ✦ अभी व्यर्थ को समाप्त जल्दी-जल्दी करना चाहिए अब समर्थ बन वायुमण्डल में समर्थपन की शक्ति फैलाओ। **बापदादा तो बच्चों का दु:ख दर्द, पुकार सुन करके बच्चों द्वारा अभी जल्दी समाप्ति कराने चाहते हैं।** सुनाया ना, पुरुषार्थ सब कर रहे हैं लेकिन अभी एड करो तीव्र। करना ही है, करेंगे, देखेंगे... यह गे-गे नहीं चलेगा।
- ✦ बापदादा आये हुए नये बच्चों को देख खुश है **क्योंकि लास्ट समाप्ति के समय से तो पहले आ गये हैं।** लेकिन जितना लेट आये हो इतना ही तीव्र पुरुषार्थ करना पड़ेगा क्योंकि इस थोड़े टाइम में आपको पूरे 21 जन्मों का भविष्य बनाना है। **इतना अटेन्शन रखना पड़ेगा। समय को बचाना, सेकण्ड भी व्यर्थ नहीं गंवाना।** तीव्र पुरुषार्थी रहना, साधारण पुरुषार्थ से पहुंचना मुश्किल है।
- ✦ आज रथ की तबियत थोड़ी ढीली है। फिर भी बापदादा तो मिलने आ गये।

✦ जो भी आवे खुशी जरूर ले जाये क्योंकि खुशी हर मनुष्य को आवश्यक है। चाहते हैं लेकिन बन नहीं पाते हैं तो टीचर्स माना फीचर्स द्वारा भी सेवा करे। अनुभव करें कि यह क्या बन गई है! **अभी आगे चल करके आपका चेहरा और चलन यह सेवा ज्यादा करेगा क्योंकि जैसे समय नाजुक आयेगा तो समय कम मिलेगा लेकिन चाहना बढ़ेगी, कुछ मिले, कुछ मिले।** इसके लिए टीचर्स को सदा ऐसे एवररेडी रहना चाहिए, जो कोई आवे वह कम से कम कुछ लेके ही जावे। चेहरे और चलन द्वारा भी कुछ न कुछ लेके जाये। दाता के बच्चे हो ना!

✦ अब और साथी बनाओ। और भी टीचर्स निकालो क्योंकि सेवा बढ़नी ही है। **अभी थोड़ा हंगामा होगा और सब उत्कण्ठा से आपके आगे आयेंगे।** सर्विस बढ़ने वाली है, कम होने वाली नहीं है।

2-2-12

✦ संगम के बाद कहाँ जायेंगे? **रिटर्न जरनी करेंगे ना !**

✦ बापदादा ने देखा, पहले भी कहा है योग सब लगाते हो लेकिन अब आवश्यकता किसकी है? **समय की हालतों को देख पहले भी सुनाया अब ज्वालामुखी योग की आवश्यकता है,** जिससे डबल काम होगा। एक तो अपने पुराने संस्कार का संस्कार हो जायेगा, अभी संस्कारों को मारते हो लेकिन जलाते नहीं हो। मारने के बाद फिर भी कभी-कभी वह जाग जाते हैं। जैसे रावण को सिर्फ मारा नहीं, जलाया। ऐसे आप भी अपने पुराने संस्कारों को जो बीच-बीच में तीव्र पुरुषार्थ में कमी कर देते हैं, उसके लिए ज्वालामुखी योग की आवश्यकता है। एक स्वयं के लिए और दूसरा ज्वालामुखी योग द्वारा औरों को भी लाइट रूप होने के कारण, माइट रूप होने के कारण उन्होंको भी अपनी किरणों द्वारा सहयोग दे सकते हो। **तो अभी सभी ने योग को ज्वालामुखी योग में परिवर्तन किया?** समय अनुसार अभी आत्माओं को आपके सहयोग की आवश्यकता है।

✦ बापदादा चाहता है एक-एक बच्चा ऐसा खुशनुमा, खुशनसीब दिखाई दे, चेहरे से चलन से क्योंकि समय प्रमाण अभी आपका चेहरा बहुत सेवा करेगा। आवश्यकता पड़ेगी। इसके लिए बापदादा चाहता है कि अभी से लक्ष्य रखो जैसे अभी यह 75 वर्ष के कारण सबको उमंग है सेवा करने का। ऐसे उमंग हो चेहरे से सेवा करने का क्योंकि दिनप्रतिदिन समय नाज़ुक आना ही है। **तो ऐसे समय पर आपका चेहरा आत्माओं को चियरफुल बना दे।**

✦ **चलना तो सबको है ही।** यह तो वायदा है ही पक्का। साथ चलेंगे, साथ राज्य करेंगे। तो सभी खुश है?

✦ सिर्फ स्वयं नहीं,साथी भी निर्विघ्न। वह भी टाइम आना है। हो जायेगा क्योंकि बनना तो बच्चों को ही है और कोई एक्जैम्पुल में आयेंगे जो पीछे तीव्र पुरुषार्थी बन आगे जायेंगे लेकिन मैजारिटी तो आपको ही आगे जाना है।

✦ आपकी दीदी दादियां जो एडवांस पार्टी में भी गई हैं उन्होंने भी अटेन्शन दिया, **अभी आप लोगों का इन्तजार कर रहे हैं। पूछती हैं वह कि समाप्ति का गेट कब खोलेंगे?** एक दो तो नहीं खोलेगा ना ! **तो अभी पुरुषार्थ करो कि समय को, गेट खुलने के समय को समीप लाओ। सम्पन्न बनना अर्थात् समीप लाना।**

- ✦ साथ-साथ जो बापदादा ने दो मास का कार्य दिया है, उसकी भी स्मृति दिला रहे हैं क्यों? बहुत करके यह व्यर्थ संकल्प पुरुषार्थ को तीव्र के बजाए साधारण कर देते हैं इसलिए चारों ओर के बच्चों को बापदादा यादप्यार के साथ यह भी स्मृति दिला रहे हैं कि अब संगम का समय कितना श्रेष्ठ सुहावना हैं, इस संगम के समय ही सर्व खजाने बाप द्वारा प्राप्त होते हैं, संगम का एक-एक सेकण्ड महान है इसलिए संगम के समय का मूल्य सदा अपने बुद्धि में रखो। संगम का एक सेकण्ड प्राप्ति कितना कराता है। आपसे कोई पूछे आपको क्या मिला है, तो क्या जवाब देंगे? अप्राप्त नहीं कोई वस्तु हम ब्राह्मणों के दिल में। पाना था वो पा लिया। अब उसको कार्य में लगाते हुए तीव्र पुरुषार्थी बन समय को समीप लाओ।
- ✦ अभी प्रैक्टिकल में आवाज निकले कि ब्रहमाकुमारियां क्या चाहती हैं। इस 75 वर्ष की सर्विस ने सभी को ब्रह्माकुमारीज़ का महत्व स्पष्ट किया है।आवश्यक है, कर सकती हैं, यहाँ तक आये हैं, सब वर्ग का सहयोग है। लेकिन परमात्मा आया है, ब्रह्माकुमारियों तक पहुंचे हैं। परमात्मा आ गया अभी यह समझ में आता भी है जिस समय सुनते हैं उस समय नशा चढ़ता है लेकिन मैदान में आवे वह हिम्मत अभी आ रही है। आयेगी। आनी तो है ही। अभी आने की हिम्मत आई है, कोई भी प्रोग्राम आप देखेंगे डल नहीं जाता है, सक्सेस जाता है, पहले नाम सुनके ही भागते थे ना। अभी समझते हैं कि ब्रह्माकुमारियां कार्य अच्छा कर रही हैं और विधिपूर्वक करते हैं। इतना अटेन्शन गया है।
- ✦ धरनी तैयार हुई है अभी फल निकलना है।
- ✦ अपना जो देश है परमधाम, उसके अच्छे अनुभव करके बस समय को समीप करना है, इसमें पान का बीड़ा उठाओ। पहले हम करके दिखायेंगे। निमित्त बनके दिखायेंगे।
- ✦ बापदादा को खुशी है कि समय से पहले तो आ गये। वर्से के अधिकारी तो बन गये।

19-2-12

- ✦ बाप सदा ही बच्चों के साथ रहने वाले हैं। साथ रहेंगे, साथ चलेंगे, साथ राज्य करेंगे।
- ✦ **सभी का विशेष बहिनें और भाईयों का एक ही आवाज था कि अभी घर का गेट कब खोलेंगे!** तो विशेष दीदी दादी कह रही थी कि हमारी सखियों को, भाईयों को हमारे तरफ से यही कहना कि घर चलने के लिए कौन सी तारीख फिक्स की है? सब इकट्ठे चलेंगे ना! अलग-अलग तो नहीं जायेंगे? दरवाजा खोलने के लिए सभी इकट्ठे हाज़िर हो जायेंगे।तो वह डेट मांग रहे थे। बापदादा मुस्कराये **क्योंकि बाप भी चाहते हैं कि अभी गेट को खोलने के लिए सभी बच्चों को बेहद की वैराग्य वृत्ति चाहिए। यही चाबी है गेट खोलने की।**
- ✦ तो आज के दिन बाप यही चाहते हैं कि हर बच्चा आज अपने दिल में दृढ़ता को ला के यह दृढ़ संकल्प करे कि हमें व्यर्थ संकल्प और व्यर्थ समय, क्योंकि अगर **सारे दिनको अटेन्शन से चेक करो तो बीच-बीच में समय और संकल्प व्यर्थ जाता है। बापदादा तो सबका रजिस्टर देखते हैं ना! उसको बचाना अर्थात् समाप्ति का समय समीप लाना।**
- ✦ अगर रोज़ बार-बार चेक करो संगम का हर दिन बाप के स्नेह का दिन है। जैसे आज विशेष दिन होने के कारण ज्यादा याद रहा ना! ऐसे सदा अमृतवेले यह स्मृति में रखो कि यह संगम का एक-एक दिन कितना

महान है। एक छोटे से जन्म में 21 जन्म की प्राप्ति गैरन्टी है। तो एक-एक दिन का कितना महत्व हुआ! कहाँ 21 जन्म और कहाँ यह छोटा सा एक जन्म।

✦ अभी ज्यादा प्रभाव भाषणों का है। बापदादा खुश है भाषण बहुत अच्छे कर रहे हैं लेकिन दिन प्रतिदिन अभी जैसे यह भाषणों द्वारा, वाणी द्वारा सेवा का उमंग अच्छा रखा और सफलता भी पाई। ऐसे ही अभी समय प्रमाण आपकी ज्यादा सेवा चेहरे और चलन से होगी। उसका अभ्यास,जैसे भाषणों का अभ्यास करते-करते होशियार हो गये हो ना! ऐसे अभी चेहरे और चलन से किसी को खुशी का वरदान दो, यह अभ्यास करो **क्योंकि समय कम मिलेगा इसलिए समय और संकल्प का महत्व रखते हुए आगे बढ़ते जाओ। होना सब अचानक है।**

✦ क्योंकि एडवांस पार्टी डेट चाहती है। तो आपकी बड़ी-बड़ी दादियां हैं, बड़े-बड़े भाई हैं,प्यार तो है ना उन्हों से। कितना याद करते हैं? दादी को, दीदी को, चन्द्रमणि को। सभी के नाम लेते जाओ। सभी को याद करते हैं। तो वह जो चाहती हैं वह करके बताओ ना।

✦ बापदादा को खुशी है फिर भी **हलचल जो होनी है उसके पहले पहुंच गये हो,** इसकी मुबारक हो।

✦ **साधारण संकल्प का समय पूरा हुआ। अभी तीव्र पुरुषार्थ का समय है,** चांस है, फिर भी चांस लेने वाले चांसलर तो बन गये। तो बापदादा हर बच्चे को देख खुश है और हर बच्चे को कह रहे हैं कि **तीव्र पुरुषार्थ करेंगे तो साथ जायेंगे, साथ रहेंगे।** तो मुबारक हो, मुबारक हो, मुबारक हो।

✦ बापदादा सभी ज़ोन को कहते हैं हर एक.जोन में या हर एक सेन्टर में वारिस क्वालिटी कितने हैं वह बापदादा के पास हर ज़ोन, डबल विदेशी भी हर स्थान के वारिस बच्चों की लिस्ट देवे **क्योंकि समय समीप आ रहा है इसलिए अभी सेवा की गति फास्ट करो।**

✦ **बापदादा दिल से चाहते हैं एक बच्चा भी पीछे नहीं रह जाए। साथ में चले।** पीछे-पीछे आने वाले अच्छे नहीं लगते हैं। साथ हो, हाथ हो, **चलना है ना घर में। रिटर्न जरनी है।** उसके लिए जैसे ब्रह्मा बाप फरिश्ता है, ऐसे फालो फादर। **साकार में होते फरिश्ता, जिसको भी देखो फरिश्ता ही फरिश्ता, तब गेट खुल जायेगा।**

✦ दादियों से:- (मैं बाबा के साथ रहूंगी, सतयुग में नहीं जाऊंगी) ब्रह्मा बाप साथ में होगा ना। आपको प्रालब्ध जो पुरुषार्थ की है, उसका अनुभव करना है। तो शिव बाप ने ही यह टाइम रखा है।

5-3-12

✦ यह भाग्य अब संगमयुग में ही मिलता है। संगमयुग के हर घड़ी की बहुत बड़ी वैल्यु है। संगमयुग की एक घड़ी अविनाशी हो जाती है क्योंकि हर घड़ी का 21 जन्मों के साथ सम्बन्ध है। अब की एक घड़ी का सन्बन्ध 21 जन्मों के साथ है। तो चेक करो एक घड़ी अगर व्यर्थ गई तो एक जन्म की बात नहीं 21 जन्म के सम्बन्ध की बात है इसलिए बापदादा बच्चों को समय प्रति समय अटेन्शन खिंचवा रहे हैं कि संगमयुग की एक घड़ी को भी एक संकल्प को भी व्यर्थ नहीं गवाओ क्योंकि एक जन्म व्यर्थ नहीं गंवाया लेकिन 21 जन्ममें व्यर्थ गंवाया। संगमयुग का महत्व हर समय याद रखो।

✦ संगमयुग के महत्व को अगर सदा बुद्धि में याद रखो कि अविनाशी बाप द्वारा यह कार्य मिला है। हर घड़ी अविनाशी बनने की है क्योंकि अविनाशी बाप ने यह वरदान दिया है। तो सहज ही हो जायेगा।

- **बापदादा समय की सूचना भी समय प्रति समय देते रहे हैं, उस समय के अनुसार आप लोगों का एक-एक का स्वमान है विश्व कल्याणकारी।** अब समय प्रमाण हर एक बच्चे को विश्व कल्याणी स्वरूप को प्रत्यक्ष करने का समय है। चारों ओर दु:ख अशान्ति बढ़ रही है। आपके भाई आपकी बहिनें, परिवार दु:खी हो रहे हैं तो आपको अपने परिवार पर रहम नहीं आता !
- अभी बापदादा यही इशारा दे रहे हैं स्व पुरुषार्थ के साथ विश्व सेवा ।
- लेकिन अभी मन्सा सेवा की भी आवश्यकता है क्योंकि सभी तरफ विश्व कल्याणकारी बनना है उसमें मन्सा वाचा और कर्मणा अर्थात् चलन और चेहरे से तीनों ही सेवा की अभी आवश्यकता है।
- **अभी मन्सा सूक्ष्म वायब्रेशन्स द्वारा आत्माओं के दु:ख अशान्ति का सहारा बनना पड़े।** क्या आपको तरस नहीं आता? बापदादा को तो बच्चों पर चाहे कैसे भी हैं लेकिन फिर भी बच्चे तो हैं ना, तरस आता है। **तो अभी हर बच्चे को सिर्फ सेन्टर कल्याणी नहीं, ज़ोन कल्याणी नहीं विश्व कल्याणी बनना है।** तो बापदादा अभी यही अटेन्शन दिला रहे हैं अपने भक्तों का कल्याणकारी बनो क्योंकि यह संगमयुग का बहुत बड़ा महत्व है। **अभी संगमयुग में जो चाहे जितना चाहे उतना बाप से सहयोग मिल सकता है। तो सुना क्या करना है अभी? मन्सा सेवा को बढ़ाओ।** अपने कार्य के प्रमाण जैसे ट्रैफिक कन्ट्रोल का टाइम फिक्स किया हुआ है ऐसे ही हर एक को मन्सा सेवा का भी टाइम फिक्स करना चाहिए। **जब ज्यादा दु:ख होगा उस समय सभी का अटेन्शन उस हलचल में होगा लेकिन अभी मन्सा सेवा का समय है इसलिए हर बच्चे को अपने विश्व कल्याणी का स्वरूप इमर्ज करना है। विश्व कल्याण में स्व कल्याण स्वत: और सहज हो जायेगा** क्योंकि अगर मन फ्री है तो व्यर्थ आता है लेकिन मन बिजी होगा तो व्यर्थ सहज ही समाप्त हो जायेगा। तो बापदादा जब चक्र लगाके चारों ओर देश विदेश के अज्ञानी बच्चों को देखते हैं तो तरस आता है इसलिए आप सब भी अब दु:ख हर्ता सुख कर्ता बनो।
- इससे आप डबल होली 21 जन्म रहते हो। एक जन्म नहीं क्योंकि संगम के एक एक सेकण्ड का कनेक्शन 21 जन्मों का है। यहाँ आपने अगर एक सेकण्ड या एक मिनट सफल किया तो 21 जन्म आपका सफल रहेगा। गैरन्टी है।
- बापदादा का जो कार्य मिला है, उस कार्य को अगर कोई ने अभी तक नहीं भी किया है तो बापदादा विशेष एक सप्ताह देते हैं एकस्ट्रा। जो डेट है वह तो है लेकिन एक सप्ताह एकस्ट्रा देते हैं कि इस होमवर्क को पूरा करना ही है।
- **करना ही है क्योंकि अभी समय की गति को देख रहे हो। और बापदादा तो बहुत समय से अचानक का वारनिंग दे रहे हैं** इसलिए अभी बापदादा हर बच्चे को एक स्वमान देते हैं - हर बच्चा दृढ़ संकल्पधारी विशेष आत्मा बनो। संकल्प किया और हुआ, इसको कहा जाता है दृढ़ संकल्प।
- करना ही है। करेंगे नहीं, करना ही है। बहुत काल का बाप समान बनना, बहुत समय की प्राप्ति है। संगमयुग का समय बहुत प्यारा है, एक सेकण्ड नहीं है एक सेकण्ड एक वर्ष की प्राप्ति समान है इसलिए बापदादा कहते ही रहते हैं एक सेकण्ड भी व्यर्थ नहीं जाये। एक संकल्प भी व्यर्थ नहीं जाये। समर्थ बनो और समर्थ बनाओ।

- लेकिन बापदादा ने समय के प्रमाण आज यह भी कहा कि सहयोगी है लेकिन अब यज्ञ स्नेही बनाओ। वारिस क्वालिटी बनाओ।
- बापदादा ने पहले भी कहा है **अब समय नाज़ुक आया कि आया** इसलिए अभी कम से कम सम्पर्क वालों को यज्ञ स्नेही तो बनाओ।
- अब कनेक्शन वालों को सम्बन्ध में लाओ। रह नहीं जावे। **समय समाप्ति का आवे** और सहयोगी के सहयोगी रह जाये, इसलिए अब सम्बन्ध में लाओ। समीप सम्बन्ध में लाओ।
- बापदादा सभी ज़ोन को भी कहते हैं अभी वारिस बनाने की विधि को थोड़ा और तीव्र करो। नहीं तो उल्हना मिलेगा। हम सहयोगी रह गये। आप प्लैन जरूर बनाओ फिर जिसका जो भाग्य होगा।
- बापदादा को यह जो प्लैन बनाया है, तीन चार प्रोग्राम मिलके बनाये हैं, बड़े-बड़े प्रोग्राम उसमें बापदादा ने देखा वायुमण्डल में फर्क पड़ता है क्योंकि सब प्रकार की आते हैं ना। क्रिश्चियन भी मुस्लिम भी, जो भी भिन्न भिन्न धर्म के हैं वह सब प्रकार के इकट्ठे देखते हैं तो समझते हैं कि सचमुच विश्व एक हो सकता है।
- अभी विदेश वाले भी वारिस क्वालिटी लाना **क्योंकि समय अचानक का है।** तो जितने भी आत्माओं का कल्याण कर सको, जितना कर सको उतना करते जाओ फिर समय नहीं मिलेगा। अभी समय है, कम से कम बाप का घर तो देख लें। बाप का परिचय तो ले लें। तरस आता है ना !
- अब उन्हों को भी लाओ तो गवर्मेन्ट के थोड़े कान खुलें। जैसे अभी देखते हैं कि यह जो 75 वर्ष की जुबली है, इस जुबली ने भारत वालों को अच्छा जगाया है। पहले जो समझते थे ब्रह्माकुमारियां पता नहीं क्या करती हैं, अभी उन्हों के मुख से निकला है कि कमाल है ब्रह्माकुमारियों के 75 वर्ष। और दूसरी कमाल है कि यहाँ बहिनें ही निमित्त बनी हैं और बहनों ने इतना कार्य किया है, तो उन्हों को यह आश्चर्य लगता है और अभी नजदीक आने की दिल होती है। मिलें, सुनें और आपके मुख्य जो सबजेक्ट हैं, आप आत्मा हो,वह इस जुबिली के कारण सब तरफ समझते हैं कि आत्मा समझने से यह एकमत हो सकते हैं।
- पहली बार आने वालों को डबल मुबारक दे रहे हैं, क्यों? क्यों डबल मुबारक दे रहे हैं? **क्योंकि समय के हाहाकार के पहले** अपना भाग्य बना दिया। अहो प्रभु, अहो प्रभु कहने के बजाए मेरा बाबा तो कहा इसलिए बापदादा आने वालों को देख खुश है। बच्चे आ गये, आ गये, आ गये।
- आवाज तो फैलता है ना। (पुरी के महाराजा भी मधुबन आना चाहते हैं) अभी आयेंगे, बहुत आयेंगे।

20-3-12

- क्योंकि बापदादा बहुत समय से कह रहे हैं **कोई भी हलचल अचानक आनी है।** उसकी तैयारी के लिए अगर अभी से कभी कभी के संस्कार होंगे तो क्या सदाकाल के राज्य भाग्य के अधिकारी बन सकेंगे? ब्रह्मा बाप से सबका दिल का प्यार है। ब्रह्मा बाबा से वायदा साथ हैं, साथ चलेंगे, साथ राज्य करेंगे। यह वायदा पक्का है ना!
- तो आज बापदादा क्या चाहता है? ब्रह्मा बाप समान बनो। फॉलो फादर **क्योंकि समय की हालतें तो हलचल में आ भी रही हैं और आनी भी हैं** इसलिए बापदादा हर बच्चे को यही शिक्षा देने चाहते हैं कि सदा खुश रहो और खुशी बांटो। जितनी खुशी बांटेंगे उतनी खुशी बढ़ेगी। आपको खुशनुमा देख दूसरे भी 5

मिनट के लिए तो खुश होवे। दु:खी आत्मायें अगर आपको देख करके 5 मिनट भी खुश हो जाएं तो उन्हों के लिए तो बहुत दिलपसन्द बात है।

- ✦ बापदादा सभी के लिए कहते हैं कि बीच-बीच में समय निकाल के चाहे पुराने, चाहे नये सभी को एकदम अशरीरी बनने की ड्रिल जरूर करना है क्योंकि आने वाले समय में सेकण्ड में अशरीरी बनना ही पड़ेगा। तो यह ड्रिल कोई कहे समय नहीं मिला, कितना भी कोई बिजी हो, पानी की प्यास लगती है तो क्या पानी पीने नहीं उठेंगे। जरूरी समझके उठेंगे ना। तो यह एक मिनट अशरीरी बनने की ड्रिल यह प्रैक्टिस जरूर करो। उस समय प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे। कई समझते हैं ना, समय आयेगा कर लेंगे। लेकिन नहीं। यह जन्म-जन्म का बॉडी कान्सेस का अभ्यास उस समय अशरीरी बनने नहीं देगा ।
- ✦ नहीं तो श्रीमत का हाथ में हाथ देकरके नहीं चल सकेंगे। आपका वायदा है साथ चलेंगे, साथ राज्य में आयेंगे। तो यह ड्रिल सभी को करना है।
- ✦ अभी कोई नवीनता लाओ। नवीनता यह है वारिस बनाओ। कम से कम जो सम्पर्क वाले हैं वह सम्बन्ध में आवे, सम्बन्ध के बाद सेवा में लगे। सम्बन्ध यह नहीं, आने जाने का संबंध नहीं लेकिन बाप और परिवार के साथी बन जाएं। यह भी होना है, अभी बापदादा ने देखा कि अगर ब्राह्मण मिलके कोई भी एक संकल्प करें तो हुआ ही पड़ा है लेकिन सबका एक ही संकल्प हो तो क्योंकि अभी वायुमण्डल बदल गया है। जब से आपने यह 75 वर्ष का मनाया है तब से लोगों को समझ में आया है कि यह कुछ कर रहे हैं और जो कहते हैं वह अच्छा कहते हैं, कर सकते हैं। अभी इतने तक चेंज आई है इसलिए अभी आप भी चेंज देख करके और थोड़ी मेहनत करेंगे तो आपका परिवार कितना बढ़ जायेगा। तो बापदादा ऐसों का कहाँ भी संगठन कराना चाहते हैं।
- ✦ तो बापदादा हर वर्ग वालों को यही कहते हैं तो जैसे अभी आगे बढ़े हो ऐसे और भी आगे बढ़ते जायेंगे तो सबकी नज़र आपके ऊपर जायेगी। धीरे-धीरे विश्व में प्रसिद्ध होते जायेंगे।
- ✦ इसलिए सभी तीव्र पुरुषार्थी बनके रहना। पुरुषार्थी नहीं तीव्र पुरुषार्थी क्योंकि अभी समय है, सभी के लिए तीव्र पुरुषार्थी बनने का। पुरुषार्थ का समय अभी गया, अभी तीव्र पुरुषार्थ का समय है। तो कभी भी साधारण पुरुषार्थी नहीं बनना। सदा चेक करना, तीव्रता है? साधारण तो नहीं हो गया! **वैसे अभी समय भी सूचना दे रहा है - तीव्र पुरुषार्थी बनने का।**
- ✦ तो सभी अभी तीव्र गति से चलना है, तीव्र पुरुषार्थ करना है, तीव्रता दुनिया के लोगों में सुख की लानी है। दु:खी को सुखी करना है। यह सुखी करने का सन्देश दे करके सभी को सुखी बनाना है, इस सेवा में तीव्रता है भी और लानी भी है।

3-4-12

- ✦ क्योंकि यह 5-6 मास आप सभी को विश्व के आगे दु:खी आत्माओं को पावरफुल वृत्ति द्वारा सुख शान्ति की किरणें देनी हैं।
- ✦ जानते हो आप, इस संगम का समय एक-एक मिनट का कनेक्शन 21 जन्म के साथ है। और इस समय बापदादा का बच्चों से, बच्चों का बाप से प्यार है। तो संगम समय का एक सेकण्ड, सेकण्ड नहीं है क्योंकि 21 जन्मों का कनेक्शन है। अगर अब नहीं समय को बचाया तो 21 जन्म जो बाप से प्यार है और हर एक

चाहता है कि **बाप के साथ अब भी रहें, साथ भी चलें। अपने घर लौटना है ना अभी।** तो घर में भी साथ में चलें और फिर राज्य में भी बापदादा के साथ विशेष ब्रह्मा बाबा के साथ राजधानी में नजदीक साथ में आयें इसलिए ब्रह्मा बाप तो फरिश्ता रूप में है और आपको साथ में चलना है तो क्या करना पड़े? फरिश्ता बनना पड़े ना! फरिश्ता बनेंगे, बनना ही है ना !

✦ तो दूसरी सीजन में बापदादा क्या देखने चाहता है? जानते तो हो। **5 मास 6 मास मिलना है आपको, व्यर्थ से समर्थ संकल्प करने में।**

✦ ऐसे चेहरे से सेवा करने वाली बाप को प्रत्यक्ष कर ही लेंगी। **अब समय आ गया है, बाप को अपने चेहरे से प्रत्यक्ष करने का।** तो टीचर्स को सदा मेरा बाबा तो स्वत: ही याद है। अभी बाप को चेहरे से प्रत्यक्ष करना है। कर सकते हैं ना! कर सकते हैं तो करो। देखो अभी तक की रिजल्ट में क्या सभी कहते हैं। ब्रह्माकुमारियां बहुत अच्छा काम कर रही हैं, बाप प्रत्यक्ष नहीं है। वह अभी भी गुप्त है। **तो अभी समय समीप आ रहा है** तो आप द्वारा चाहे निमित्त टीचर्स हैं या कोई भी बच्चा है, अभी बाप को प्रत्यक्ष करो। ब्रह्माकुमारियां अच्छा कार्य कर रही हैं, यह तो हो गया। यहाँ तक पहुंच गये हो। लेकिन अभी यह प्रत्यक्ष करो कि स्वयं परमात्मा ब्रह्मा तन में प्रत्यक्ष हो ब्रह्माकुमारियों को ऐसे योग्य बना रहे हैं। अभी यह प्वाइंट रही हुई है। गीत तो गाते हैं मेरा बाबा आ गया, लेकिन अभी अन्य आत्माओं के अन्दर यह प्रत्यक्ष हो कि भगवान स्वयं प्रत्यक्ष हो यह कार्य बहिनों द्वारा या भाईयों द्वारा करा रहे हैं। यह प्रत्यक्षता करनी है ना! कब करेंगे? अब। क्या कहेंगे? अब ना! (अभी शुरू करेंगे,अगली सीजन तक हो जायेगा)

✦ **क्योंकि देख रहे हो बापदादा तो कहते ही हैं कि सब अचानक होना है।** कोई बच्चे समझते हैं अचानक, अचानक भी बहुत समय हो गया है। अभी होना चाहिए। लेकिन अचानक तब हो जब बच्चे भी बाप समान बन जायें। आपकी सूरत मूरत एक-एक बोल बाप को प्रत्यक्ष करे। हो जाना तो है ही। होना ही है अभी सिर्फ निमित्त बनना है। अभी अगली सीजन में क्या करेंगे? एक तो अपने को बाप समान बनायेंगे। जो भी कमी रह गई है, उसको सम्पन्न करेंगे।

✦ जिन्होंने जहाँ भी प्रोग्राम्स किये हैं, अच्छे किये हैं, और सभी के अटेन्शन में भी आया है कि ब्रह्माकुमारियां सचमुच गुप्त रूप में अपने कार्य का समय 75 वर्ष पूरा किया है। **अभी यह कहें कि ब्रह्माकुमारियों का भगवान बाबा आ गया है। लक्ष्य है ना! तो अगले सीजन तक यह कार्य आरम्भ हो जाना चाहिए।** इसका प्रत्यक्ष प्रोग्राम बनाना। प्रोग्राम बनाते हैं ना, मीटिंग करते हैं ना! तो मीटिंग में यह प्रोग्राम बनाओ कि अभी सब बच्चों को पता तो पड़े कि वर्सा देने वाला बाप आ गया। वंचित नहीं रह जाएं। बाप को तो बच्चों के दु:ख को देख बहुत तरस पड़ता है। जब दु:ख में चिल्लाते हैं, बाप को तरस पड़ता है। आप देव और देवियों को भी बहुत पुकारते हैं। **तो अगली सीजन में एक तो व्यर्थ का नाम निशान नहीं,** मंजूर है? मंजूर है! दिल का हाथ उठाओ। दिल का हाथ उठाना। व्यर्थ होता क्या है, यह मालूम ही गुम होजाए। जैसे स्वर्ग की शहजादियां आती हैं ना तो उनको दु:ख और अशान्ति का पता ही नहीं है, कहते हैं क्या कहते हैं, यह क्या होता है। ऐसे ही ब्राह्मण परिवार में व्यर्थ का पता ही न हो, व्यर्थ होता क्या है। स्वचिंतन, स्वचिंतक।

✦ जो भी ब्राह्मण हैं वह देवता बनके कहाँ आयेंगे? दिल्ली में ही आयेंगे ना! तो दिल्ली वालों को बहुत बड़ी दिल बनानी पड़ेगी। देखो अगर ब्रह्मा बाप भी कृष्ण बनके आयेंगे, तो भी कहाँ आयेंगे! दिल्ली में ही आयेंगे।

✦ झण्डा लहराया है ना यहाँ, ऐसे एक-एक दु:खी आत्माओं के दिल में बाप का झण्डा लहराओ। तो झण्डे यह व्यर्थ नहीं जायें, यही झण्डे सत्य रूप से दु:खियों के दिल में लहराओ।

✦ अब आत्मा जैसे प्रत्यक्ष की है, ऐसे परमात्मा की प्रत्यक्षता का पक्का करो। इसमें बापदादा देखेंगे कि नम्बरवन कौन लेता है? आत्मा का पाठ तो कईयों ने पक्का किया है अभी परमात्मा वर्सा दे रहा है, कुछ तो वर्सा ले लेवें। आपका परिवार है ना! वंचित नहीं रह जायें। तो क्या करना है? वह भी बता दिया। बाकी दिल्ली फाउण्डेशन है। वह भी दिन आयेगा जो यह सारी मिनिस्ट्री सोचेगी कि यह जो कह रहे हैं वह मानना ही पड़ेगा। यह कमाल करके दिखाओ। नम्बरवन दिल्ली करे या कोई भी करे, उसको बापदादा इनाम देंगे। अभी जो रही हुई बात है उसको पूरा करो।

✦ तो अगले ग्रुप में जो भी आयेंगे वह तीव्र पुरुषार्थी ग्रुप। जो आगे बढ़े, **ऐसे अगले सीजन में बापदादा सभी को उठवायेंगे, जो भी तीव्र पुरुषार्थी बने हैं, बीच में रूकावट नहीं हुई है, उसको उठायेंगे।** तो डबल विदेशी तो उठेंगे ही। और भी तीव्र पुरुषार्थ करना और **ऐसा तीव्र पुरुषार्थ करना जो बापदादा के आगे हाथ उठा सको।** ठीक है मंजूर है? पहली लाइन मंजूर है! मधुबन वालों को पसन्द है ना! यह सब मधुबन वाले बैठे हैं। पसन्द है? मधुबन वाले फिर उठो। अच्छा। यह टी.वी में आ रहे हैं। अगर बापदादा कहे कि यह कौन-कौन थे, वह टी. वी. से निकाल सकते हैं। अच्छा। तो जो भी आये हैं, वैसे तो सुन सभी रहे हैं लेकिन मधुबन वाले तीव्र पुरुषार्थियों में हाथ उठायेंगे। उठायेंगे? अभी हाथ उठाओ। अच्छा। आपको तो पदमगुणा मुबारक है। बहुत अच्छा। बापदादा नोट करेंगे, हर एक ज़ोन से कितने तीव्र पुरुषार्थी हैं। आप लिस्ट देना। हर एक ज़ोन वाले, जो नहीं भी आवे तो लिस्ट जरूर ले आवे जो तीव्र पुरूषार्थ करते हैं उन्हों का नाम लिस्ट लावें। ठीक है। पीछे वाले, ठीक लगता है? आपको ठीक लगता है? बहुत अच्छा। **बापदादा को तीव्र पुरुषार्थी बहुत पसन्द हैं। कब तक साधारण पुरुषार्थ करेंगे। चलना है ना अभी तो घर जाना है ना! तो तीव्र पुरुषार्थी बनके जाना है ना!** बापदादा को, सुनाया भी हर एक बच्चा विजयी हो, यह अच्छा लगता है। यह हुआ, यह हुआ... यह समाचार सुनना अच्छा नहीं लगता है। तो कम से कम जो भी ज़ोन हैं, वह इन 6 मास में, सभी ने तीव्र पुरुषार्थ किया, यह रिजल्ट तो दे सकते हो। अगर 6 मास तीव्र पुरुषार्थ करेंगे तब तो आदत पड़ जायेगी। पड़ जायेगी ना आदत ! **तो रिजल्ट लेंगे तीव्र पुरुषार्थी 6 मास में कितने बनें? और बापदादा इनाम भी देंगे।** जिस ज़ोन में ज्यादा से ज्यादा तीव्र पुरुषार्थी होंगे उनको इनाम भी देंगे। मंजूर है! मंजूर है मधुबन वाले?

✦ बापदादा को खुशी है कि **समय समाप्त होने के पहले** अपने घर में तो पहुंच गये।

✦ (हू एम आई फिल्म को एज्युकेशनल फिल्म के रूप में गवर्मेन्ट ने पास किया है) सभी को यह खबर पहुंचाओ। कुछ न कुछ आवाज फैलाते जाओ। अभी क्या है, वायुमण्डल ठीक है। अभी जो भी करेंगे ना उसका प्रभाव पड़ेगा।

प्रभु परिवार - निर्विध्न

पॉजिटिव करेंगे तो निगेटिव दबता जायेगा। 3-4-12

(19-10-11 To 3-4-12)

19-10-11

- अभी बाप बच्चों से क्या चाहते हैं? बाप को सदा हर बच्चे में यही आशा है कि हर बच्चा बाप समान बन जाए। जैसे ब्रह्मा बाप विजयी बने, ऐसे हर बच्चा सदा विजयी बने। इसके लिए जैसे ब्रह्मा बाप ने क्या किया? फालोफादर। तो आप सभी भी हर कदम उठाते पहले चेक करो कि यह कदम ब्रह्मा बाप ने किया? ब्रह्मा बाप ने हर बच्चे प्रति चाहे जानते थे कि यह बच्चा कमजोर है, पुरुषार्थ में भी, सेवा में भी लेकिन कमजोर के ऊपर और ही रहम और कल्याण की भावना रही। ऐसे ही बापदादा सभी बच्चों को भी यही कहते अपने परिवार के हरेक भाई या बहन प्रति शुभ भावना, शुभ कामना, रहम और कल्याण की दृष्टि से उनके भी सहयोगी बनो।
- अभी बापदादा चाहते हैं कि प्यार में कुछ कुर्बानी भी की जाती है। बाप से प्यार है इसलिए कौन सी कुर्बानी करनी है? जो बापदादा चाहता है वह समझ तो गये हो, समझते हो ना बाप क्या चाहता है? समझते हो?
- सिर्फ बापदादा यह इशारा फिर भी दे रहा है कि आपस में संस्कार मिलन की रास करो। यह नहीं सोचो, सेन्टर तो अच्छा चल रहा है, सर्विस तो अच्छी हो रही है लेकिन जब एक परिवार है, प्रभु परिवार है, लौकिक परिवार नहीं प्रभु परिवार है। प्रभु परिवार का अर्थ ही है एक दो में शुभ भावना, कल्याण की भावना। एक दो में यही संकल्प रहे कि हम सभी साथ-साथ एक दो को आगे बढ़ाते मुक्ति का गेट खोलके साथ जाना ही है। इसलिए हर सेन्टर में ऐसा वायुमण्डल हो जो समझ में आवे यह 8 नहीं, 10 नहीं लेकिन 10 ही एक हैं। अभी संस्कार मिलन की रास हर एक अपने मन में दीवाली में संकल्प करो। एक भी आत्मा एक दो से दूर नहीं हो, सब एक हो। तो इस दीवाली पर संस्कार मिलन की रास करना। मन में दृढ़ संकल्प करना कि एक भी मेरे से भारी नहीं हो, सब हल्के। संस्कार नहीं मिलते हैं तो भारी होते हैं। तो बाप समझते हैं कि इस संकल्प से गेट का दरवाजा खोलने के लिए जल्दी तैयार हो जायेंगे। चेक करो कोई भी हमारे से नाराज़ नहीं, लेकिन भारी भी नहीं होना चाहिए। हो सकता है यह? हो सकता है? कांध हिलाओ हो सकता है। हो सकता है हाथ उठाओ। तो इस दीवाली पर अच्छी रौनक हो जायेगी।
- सदा बाप के साथ रहनेवाले, सदा आपस में भी कल्याण और रहम की शुभ भावना में रहने वाले ।
- अगर कोई गलत भी करता है तो उसके प्रति वह गलत करता है, और आप उसकी गलती का मन में संकल्प करते हो, यह करता है, यह करता है, यह करता है... यह भी खत्म करो। उनको सहयोग दो, श्रेष्ठ भावना दो, ऐसी सेवा करते सारे संगठन को श्रेष्ठ संकल्प वाले बनाना ही है। कोई सेन्टर पर कभी भी कोई एक दो के प्रति कोई भी और भावना नहीं हो, शुभ भावना, शुभ कामना, ठीक है ना!

15-11-11

- चारों ओर यह आवाज फैले जो गीत गाते हो हमारा बाबा आ गया। अब बापदादा यह रिजल्ट देखने चाहते हैं। परिवर्तन हुआ है, सर्विस का लाभ हुआ है, मेहनत का फल मिला है लेकिन अभी बाप तक नहीं पहुंचे हैं, इसका कोई प्लैन बनाओ। बाप की प्रत्यक्षता कैसे हो? राजधानी में राज्य करने वाले भी निर्विघ्न बने हैं?

- सब मधुबन वाले इसमें नम्बरवन आना। आगे आगे मधुबन वाले बैठे हैं ना। मधुबन में सिर्फ शान्तिवन नहीं, जो भी हैं एक मास निर्विघ्न, हर सेन्टर भी निर्विघ्न, गुजरात की टीचर्स हाथ उठाओ।
- दूसरा सेन्टर्स अभी निर्विघ्न होने चाहिए। पहले बापदादा अपना संकल्प सुनावे, पहले मधुबन चाहे नीचे, चाहे ऊपर निर्विघ्न बनना चाहिए। जनक, मधुबन वालों का क्लास कराना। जनक को बापदादा कह रहे हैं, मधुबन के चार ही स्थान वाले इकट्ठे करो और एक मास का जो बापदादा ने हाथ उठवाया है वह और पक्का कराओ। जो भी दिल में हैं, वह निकालें। निकालते कम हैं, दिल में रखते हैं। मधुबन ऐसे होना चाहिए जैसे दर्पण में सब फरिश्ते दिखाई दें। **आप तैयार करना फिर बापदादा मधुबन वालों की रिजल्ट देखने आयेंगे** क्योंकि मधुबन का वायब्रेशन ऐसे पावरफुलहोना चाहिए जो जो भी वी.आई.पी आते हैं या साधारण आते हैं, ऐसे लगे जैसे कहाँ पहुंच गये हैं, ऐसा तो कहाँ देखा नहीं। एकदम वातावरण में अलौकिकता, न्यारापन हो। ऐसे ही सब सेन्टर, ज़ोन वाले अभी तक एक ने भी यह रिजल्ट नहीं दी है कि हमारा ज़ोन निर्विघ्न है। बापदादा ने कहा था लेकिन अभी तक एक भी ज़ोन ने समाचार नहीं दिया है क्योंकि बापदादा देख रहे हैं कि समय की गति फास्ट हो रही है। तो बच्चों के पुरुषार्थ की गति भी फास्ट होना चाहिए। अच्छा।
- इसलिए बापदादा सेवा की मुबारक दे रहे हैं और निर्विघ्न बनने की जो आपस में रूहरिहान करते हैं वह भी अच्छी है ।
- बापदादा जगह जगह के प्रोग्राम की सफलता देख, सेवा के सफलता की भी मुबारक दे रहे हैं। **बापदादा अभी सभी बच्चों को एक ही श्रेष्ठ संकल्प सुनाने चाहते हैं कि अभी स्वयं भी निर्विघ्न रहो और अपने साथियों को, सम्बन्ध में आने वालों को भी निर्विघ्न बनाओ।** समय को समीप लाओ। दु:ख और अशान्ति बापदादा बच्चों का देख नहीं सकता। अभी अपना राज्य जल्दी से जल्दी धरनी पर लाओ। बापदादा को हर बच्चा प्यारा है, लास्ट नम्बर बच्चा जो है वह भी प्यारा है क्योंकि कमजोर है ना। तो कमजोर पर और ही रहम ज्यादा आता है। **आप सभी भी कैसी भी स्थिति वाला, स्वभाव वाला हो लेकिन हमारा है, जैसे बाप हमारा है, वैसे परिवार हमारा है, तो उसके स्वभाव संस्कार न देख उनको और ही सहयोग दो, सद्भावना दो, शुभ भावना दो।**
- तो दिल्ली को ऐसा करो जो निर्विघ्न कोई विघ्न नहीं, ऐसा बनाओ। सब मिल करके आपस में ऐसा प्रोग्राम बनाओ जो कोई भी बात हो, उसी समय खत्म।
- तो कोई न कोई मिलने का प्रोग्राम कहाँ भी हो, फोन पर भी मीटिंग कर सकते हो। जैसे विदेश वाले करते हैं ना। तो आप भी समझो हम जिम्मेवार हैं। कोई भी बात हो, मीटिंग फोन में भी करके फैंसला दो। टाइम नहीं लगे। जल्दी जल्दी करेंगे ना तो निर्विघ्न होता जायेगा। ठीक है।
- कर भी रहे हो लेकिन थोड़ा जल्दी जल्दी आपस में मिलकर विचारों की लेन देन करो।
- मतलब कोई भी समस्या हो उसको जल्दी सुलझाओ। लम्बा नहीं करो। यह आवे तो करें, नहीं, करके पूरा करो।

30-11-11

✦ दादी जानकी से:- (बाबा आप कितनी अच्छे हो) आप भी कितनी अच्छी हो। सब अच्छे से अच्छे बनेंगे। निर्विघ्न यज्ञ चल रहा है, सब अच्छे चल रहे हैं।

31-12-11

✦ आज ब्राह्मण परिवार के रचता अपने चारों ओर के परिवार को देख रहे हैं। है छोटा सा परिवार, छोटा सा संसार है लेकिन बहुत प्यारा है क्योंकि कोटों में से कोई है। क्यों प्यारे हैं? क्योंकि बाप को पहचाना है। बाप से वर्से के अधिकारी बने हैं। तो जैसे बाप प्यारे हैं वैसे यह ब्राह्मण परिवार भी प्यारा है।

✦ जैसे तन के लिए अशुद्ध भोजन का संकल्प किया और प्रैक्टिकल कर रहे हो,ऐसे ही मन के लिए यह दृढ़ संकल्प करना है कि कभी भी किसी के प्रति भी किसी भी सरकमस्टांश प्रमाण कोई भी व्यर्थ संकल्प न कर सदा हर आत्मा के प्रति शुभ भावना, शुभ कामना रखनी ही है। मन का भोजन है संकल्प,तो जैसे तन के लिए दृढ़ संकल्प मैजारिटी ने किया है, ऐसे ही क्या मन के लिए व्यर्थ संकल्प, अशुद्ध भावना मिटा नहीं सकते? हर आत्मा के प्रति दिल का स्नेह और सहयोग अपने मन में नहीं रख सकते हैं? तो आज बापदादा इस पुराने वर्ष के साथ इस वृत्ति वा दृष्टि को हर बच्चे से विदाई चाहते हैं। यह दृढ़ संकल्प कर सकते हो? कर सकते हैं? बोलो, मातायें, टीचर्स, सब भाई भी चाहते हैं। हाँ हाथ उठाओ। कल से किसी भी आत्मा के प्रति अगर कोई भी व्यर्थ है, व्यर्थ भावना वा व्यर्थ भाव उसकी आज समाप्ति समारोह मनाने चाहते हैं।

✦ जो भी दादियां गई हैं सब मिलके कह रही थी अब ज्वालामुखी योग की बहुत आवश्यकता है, चाहे औरों को शक्ति देने के लिए, चाहे अपने ब्राह्मण परिवार को सम्पन्न बनाने के लिए। अभी समय को समीप लाने वाले आप निमित्त हो इसलिए आने वाले वर्ष में क्या करेंगे? विशेष क्या करेंगे? एक दो के स्नेही सहयोगी बन हर एक सेन्टर, सेवास्थान ज्वालामुखी योग का वायब्रेशन और कर्म में एक दो के स्नेही सहयोगी बन हर एक को आप अटेन्शन में रखते जो भी कमी है उसमें सहयोग दो। मन्सा द्वारा अन्य आत्माओं की सेवा करो और अपने सहयोग द्वारा ब्राह्मण साथियों की विशेष सेवा करो, तभी हम लोगों की दिल की आश पूरी होगी।

✦ अभी हर एक सेन्टर, हर सप्ताह, हर स्टूडेन्ट की रिजल्ट देखे की तीव्र पुरुषार्थी रहे? अगर कोई भी बात आई, उसके लिए सहयोगी बन करके, स्नेह से उनको हिम्मत दे और अपने सेन्टर को, स्टूडेन्ट को तीव्र पुरुषार्थी बनाये, हर सप्ताह रिजल्ट देखे क्योंकि समय हलचल का होना ही है।

✦ बापदादा ने देखा कि इस एक ज़ोन में कितने छोटे-छोटे ज़ोन आ जाते हैं लेकिन सब निर्विघ्न, अपने पुरुषार्थ में सेफ हैं, उसकी बापदादा मुबारक दे रहे हैंऔर अगर कोई भी छोटी मोटी कमी हो तो आने वाले वर्ष में यह सभी 5 ही ज़ोन एकदम बापदादा के आगे सर्टीफिकेट भेजना कि हम सब निर्विघ्न, एवररेडी, तीव्र पुरुषार्थी हैं।

✦ बाबा सेवा में सन्तुष्ट है। बाकी हर एक विदेशी हर एक सेन्टर निर्विघ्न, यह भी रिपोर्ट फॉरेन की आनी है। सेन्टर निर्विघ्न है, यह जो भी सेन्टर समझते हैं कि सेन्टर निर्विघ्न है तो वह रिपोर्ट भेजे फिर बाबा उसको प्राइज़ देगा। लेकिन निर्विघ्न सब हों। सबको निर्विघ्न बनाके रिपोर्ट दो। अगर है तो अभी से मुबारक है। अगर बनना है तो फिर रिपोर्ट आने पर मुबारक देंगे।

- ✦ चारों ओर के परिवार, ईश्वरीय परिवार को बापदादा और सर्व मधुबन में आये हुए ब्राह्मणों सहित सबको पदम पदम गुणा मुबारक हो, मुबारक हो।

18-1-12

- ✦ तो अभी क्या करेंगे? जो बापदादा ने कहा है पुरुषार्थ के आगे तीव्र शब्द लगाओ। वायुमण्डल बनाओ। एक दो के सहयोगी बन हर एक अपने-अपने स्थान पर रहते हैं,स्थान को शक्तिशाली बनाओ, साथियों को शक्तिशाली बनाओ।

2-2-12

- ✦ हर सेन्टर निर्विघ्न, व्यर्थ संकल्प रहित हो सकता है? हो सकता है? कि इसके लिए समय चाहिए? अभी तक बापदादा के पास कोई सेन्टर ने यह रिपोर्ट नहीं दी है कि हमारा सेन्टर सदा निर्विघ्न है। साथी भी। सिर्फ स्वयं नहीं,साथी भी निर्विघ्न। वह भी टाइम आना है। हो जायेगा क्योंकि बनना तो बच्चों को ही है और कोई एक्जैम्पुल में आयेंगे जो पीछे तीव्र पुरुषार्थी बन आगे जायेंगे लेकिन मैजारिटी तो आपको ही आगे जाना है।
- ✦ बापदादा को दो चीज़ चाहिए, एक सेवा की वृद्धि हो और दूसरा निर्विघ्न हो।
- ✦ दो बातों में नम्बर लो - एक व्यर्थ समाप्ति और दूसरा सर्विस में निर्विघ्न। प्यार तो सारे परिवार का भी है। सिर्फ बापदादा का नहीं है लेकिन सारे परिवार का भी डबल विदेशियों से प्यार है। अभी दोनों बातों में विदेश नम्बरवन जाके दिखाये। जायेंगे। कोई बड़ी बात नहीं है।
- ✦ बाकी निर्विघ्न हैं यह समाचार अच्छा है। अभी इकट्ठे भी होंगे, इकट्ठे होंगे तो ऐसी-ऐसी जो खुशखबरी है ना वह सभी को सुनाओ। तो उन्हों को यह सुनाओ जैसे कहाँ के 8 सेन्टर हैं, वह सब अच्छे चल रहे हैं तो यह भी अच्छा है ना।हिम्मत है ना। यह समाचार सबको सुनाओ।

19-2-12

- ✦ हर एक सेन्टर सन्तुष्ट मणियों का सेन्टर हो।

20-3-12

- ✦ क्योंकि बाप का हर बच्चे से प्यार है। सुनाया भी था भले कोई लास्ट बच्चा है,उनसे भी बाप का प्यार है क्योंकि उस बच्चे ने चाहे स्वभाव के वश है लेकिन बाप को जानके मेरा बाबा तो कहा। दुनिया में कितने बड़े-बड़े मर्तबे वाले उन्होंने बाप को नहीं पहचाना लेकिन उसने तो पहचाना, चाहे कोई कमजोरी वश है लेकिन बाप को तो पहचाना। मेरा बाबा तो प्यार से कहते हैं इसलिए बाप ने पहले भी सुनाया था कि लास्ट बच्चे के ऊपर बाप का प्यार तो है ही लेकिन उसके ऊपर खास कल्याण की दृष्टि, कल्याण की वृत्ति भी है कि यह बच्चा कुछ न कुछ आगे बढ़ता रहे।

- ✦ आप स्वयं कोई कुछ भी करता है, करता है तो आप समझते भी हो यह ठीक नहीं है फिर दिल में क्या रखते हो? यह ऐसा करता, यह ऐसा करता है, इसका स्वभाव ऐसा है, इसका ऐसा है। दिल में नहीं रखो क्योंकि आपने दिल में बाप को बिठाया है। बिठाया है ना? कांध हिलाओ। बिठाया है पक्का? कि निकालते भी हो बिठाते भी हो? अगर बिठाया है तो दिल में बात रखेंगे, तो बाप के साथ दिल में बात भी रखेंगे। तो दिल में नहीं रखो। बापदादा ने यह युक्ति भी पहले ही सुनाई है कि सदा ऐसी आत्मा के प्रति शुभ भावना शुभ कामना रखकर अपनी शुभ कामना को कार्य में लगाओ और वैसे भी देखो आप समझते हो यह अच्छा नहीं करती, तो खराब चीज है। तो अगर कोई आपको खराब चीज़ देवे तो आप लेंगे? तो जब खराब समझते हो तो बुद्धि में रखना, दिल में रखना तो खराब चीज़ लिया क्यों?
- ✦ बाकी बापदादा की एक आशा रह गई है और भी। ज़ोन वालों के प्रति। वह कौन सी है? हर सेन्टर यह खुशखबरी लिखे कि हमारा सेन्टर निर्विघ्न है। मिलनसार है। सब बाबा के बच्चे एक्यूरेट, जो कार्यक्रम बना हुआ है उस तरफ बिजी हैं। निर्विघ्न हैं। यह अभी किसी ज़ोन का नहीं आया है। तो महाराष्ट्र तो महान कार्य करेंगे ना! किसी भी ज़ोन ने अभी यह खुशखबरी नहीं भेजी है। बनना है, **बनना तो आपको ही है और कौन बनेंगे! आपकी तपस्या कम नहीं है। चाहे टीचर है, चाहे स्टूडेन्ट हैं दुनिया के हिसाब से हर एक महान आत्मायें हैं।** अभी-अभी देखना आपको यह निर्विघ्न का थोड़ा सा करो तो सभी आपको जैसे आपके जड़ चित्र में शुभ भावना से देखते हैं,ऐसे आपको चैतन्य रूप में देवियों के रूप में, देवताओं के रूप में देखेंगे।

3-4-12

- ✦ सेन्टर वाले आपस में रात में बैठते हैं और बैठना चाहिए। चाहे हफ्ते में बैठें चाहे 15 दिन में बैठें। **पॉजिटिव करेंगे तो निगेटिव दबता जायेगा।**

व्यर्थ संकल्प - व्यर्थ समय

(19-10-11 To 3-4-12)

तीव्र पुरुषार्थी बनने के लिए मुख्य पुरुषार्थ है सेकण्ड में बिन्दी लगाना। -15-12-11

19-10-11

✦ अभी बापदादा चाहते हैं, रिजल्ट में देखा तो अभी तक सम्पूर्ण पवित्रता के हिसाब से व्यर्थ संकल्प भी अपवित्रता का बीज है। तो बापदादा ने देखा यह व्यर्थ संकल्प चलना, यह मैजारिटी बच्चों में अब भी संस्कार रहा हुआ है। एक व्यर्थ संकल्प और दूसरा व्यर्थ समय यह मैजारिटी बच्चों में अब भी दिखाई देता है। **और व्यर्थ संकल्प का आधार है मन, जो मनमनाभव होने नहीं देता** क्योंकि बापदादा ने काफी समय से इशारा दे दिया है कि जो कुछ होना है वह अचानक होना है। तो अचानक के हिसाब से बापदादा ने चेक किया मैजारिटी बच्चों में यह व्यर्थ संकल्प का संस्कार है। तो जब ब्रह्मा बाप व्यर्थ समय, व्यर्थ संकल्प के विजयी बन कर्मातीत हुए तो फालो फादर।

✦ कभी भी अगर मन वेस्ट संकल्प की तरफ ले जाता, लगाम को टाइट करने से अपने को व्यर्थ संकल्प की थोड़ी भी अपवित्रता को खत्म कर सकते हो। मन के मालिक बन, जैसे ब्रह्मा बाप ने रोज़ मन की चेकिंग की, ऐसे रोज़ चेक करो और व्यर्थ संकल्प को समाप्त करो। **तो आज बापदादा यही चाहता है कि इस व्यर्थ संकल्पों को समाप्त करो।** बुरे संकल्प कम हैं, व्यर्थ ज्यादा हैं लेकिन इसमें टाइम बहुत जाता है। मन के मालिक बन मन को ऐसे बिजी करो जो और तरफ आकर्षित हो आपकी लगाम को ढीला नहीं करे। हो सकता है यह? आज बापदादा व्यर्थ संकल्प के समाप्ति का सबको संकल्प दे रहे हैं। हो सकता है? हाथ उठाओ जो समझते हैं व्यर्थ संकल्प भी समाप्त, सेरीमनी मनायेंगे। व्यर्थ समय भी बचाना है। समय और संकल्प दोनों को बचाना है क्योंकि बापदादा सबका चार्ट देखते हैं। तो चार्ट में यह कमी मैजारिटी में देखने आई। **मन के मालिक ही विश्व के मालिक बनने हैं। जैसे बाप ब्रह्मा मनजीत बन विश्व का मालिक बन गया ।**

✦ (निर्वैर भाई ने कहा - नाउ और नेवर, आज अभी होना है) तो ताली बजाओ।अच्छा, बहुत अच्छा। तो अभी अभी सभी अपने मन में यह प्रामिस करो कि कभी भी व्यर्थ संकल्प नहीं आने देंगे। यह हो सकता है? अभी से कहते हैं नाउ आर नेवर, तो कम से कम यह सब प्रामिस करते हैं कि अभी से न व्यर्थ संकल्प, न व्यर्थ समय गंवायेंगे?

✦ अभी यह संकल्प करो आज व्यर्थ समय, व्यर्थ संकल्प समाप्त करना ही है। **जब व्यर्थ समाप्त हो जायेगा तो सदा श्रेष्ठ संकल्प का खजाना कमाल दिखायेगा।**

✦ लेकिन आज की बात व्यर्थ संकल्प की समाप्ति की भूल नहीं जाना। बापदादा के पास रिकार्ड तो पहुंच ही जाता है। बापदादा देखेंगे कितने तीव्र पुरुषार्थी बच्चे हैं और एक दो को भी उमंग उत्साह दे आगे बढ़ाने वाले हैं।

15-11-11

✦ बापदादा जानते हैं कि अभी भी रेडी हैं एवररेडी बनना पड़े। **जो बापदादा ने दो बातें कही थी कि सेकण्ड में फुलस्टाप लगाने वाले बच्चे चाहिए। व्यर्थ संकल्पों का नाम निशान न रहे।**

✦ सभी बच्चे प्लैन बहुत अच्छा बनाते हैं, अमृतवेले बहुत मीठी मीठी बातें करते हैं सब। मैजारिटी इतनी मीठी बातें करते हैं जो बाप भी बातें सुन कुर्बान हो जाते हैं। लेकिन पता है फिर क्या होता? जब कर्म के क्षेत्र में आते हैं, सम्बन्ध में आते हैं, सेवा में आते हैं, तो जो बातें आती हैं उसमें थोड़ा थोड़ा बदल जाते हैं। अमृतवेले का जो उमंग उत्साह है वह कर्म करते, सम्बन्ध में आते थोड़ा थोड़ा बदल जाता है।

✦ इस एक मास की रिजल्ट में नम्बरवन आके दिखाना। वैसे नम्बरवन सबको आना है। मधुबन वाले नम्बरवन आयेंगे ना, हाथ उठाओ। कुछ भी हो जाए, क्या भी परिस्थिति हो जाए, परिस्थिति आयेगी, माया सुन रही है ना, तो माया अपना रूप तो दिखायेगी लेकिन **माया का काम है आना और आपका काम है विजय पाना।** यह नहीं कहना, यह हो गया, वह हो गया, यह नहीं करना। आयेगा, होगा, यह तो बापदादा पहले ही सुना देता है क्योंकि माया सुन रही है, वह बहुत चतुर है लेकिन आप, माया कितनी भी चतुर हो आप तो सर्व शक्तिवान के साथी हो, माया क्या करेगी।

30-11-11

✦ बापदादा ने पहले भी सुनाया है कि दो बातों का विशेष अटेन्शन दो। दो बातें कौन सी? याद हैं ना! एक समय और दूसरा संकल्प। **संकल्प व्यर्थ न जाये, समय व्यर्थ न जाये। एक एक सेकण्ड सफल हो। तो बोलो इतना अटेन्शन देना पड़ेगा ना !**

✦ कभी वेस्ट थॉटस चलते हैं वा कभी टेन्शन आता है तो उससे ही स्वमान की सीट छूट जाती है।

15-12-11

✦ बापदादा ने इशारा दिया था तो संगम के समय में दो बातों का हर समय अटेन्शन देना है। वह दो बातें तो याद होंगी- समय और संकल्प। बापदादा को सभी ने व्यर्थ संकल्प, संकल्प द्वारा देने की हिम्मत रखी थी। तो चेक करो हिम्मत सदा कायम है? क्योंकि हिम्मते बच्चे, एक बार तो बाप हजार बार मददगार है। तो अभी क्या समझते हो? व्यर्थ संकल्प का जो हिम्मत रख बाप के आगे संकल्प किया वह कायम है? क्योंकि **इस व्यर्थ संकल्पों में समय बहुत जाता है** और आपका इस समय के प्रमाण कार्य है विश्व की आत्माओं को सन्देश देने का। **तो व्यर्थ संकल्प को समाप्त करना है तब दु:खी, अशान्त आत्माओं को सुख शान्ति का अनुभव करा सकेंगे।** बापदादा को दु:खी बच्चों को देख तरस पड़ता है। आपको भी अपने भाई-बहिनों को देख तरस तो पड़ता है ना !

✦ **तीव्र पुरुषार्थी बनने के लिए मुख्य पुरुषार्थ है सेकण्ड में बिन्दी लगाना।** सेकण्ड और बिन्दी, दोनों समान।

✦ बाप तो सेकण्ड में अशरीरी बन जायेंगे लेकिन आपने जो वायदा किया है, बाप ने भी वायदा किया है साथ चलेंगे, तो चेक करो उसकी तैयारी है? **सेकण्ड में बिन्दी लगाई, सम्पन्न और सम्पूर्ण बन चला।** तो ऐसी तैयारी है?

31-12-11

✦ **जैसे तन के लिए अशुद्ध भोजन का संकल्प किया और प्रैक्टिकल कर रहे हो,ऐसे ही मन के लिए यह दृढ़ संकल्प करना है कि कभी भी किसी के प्रति भी किसी भी सरकमस्टांश प्रमाण कोई भी व्यर्थ संकल्प न कर सदा हर आत्मा के प्रति शुभ भावना, शुभ कामना रखनी ही है। मन का भोजन है संकल्प,**तो जैसे तन के लिए दृढ़ संकल्प मैजारिटी ने किया है, ऐसे ही क्या मन के लिए व्यर्थ संकल्प, अशुद्ध भावना मिटा नहीं सकते? हर आत्मा के प्रति दिल का स्नेह और सहयोग अपने मन में नहीं रख सकते हैं? तो आज बापदादा इस पुराने वर्ष के साथ इस वृत्ति वा दृष्टि को हर बच्चे से विदाई चाहते हैं। यह दृढ़ संकल्प कर सकते हो? कर सकते हैं? बोलो, मातायें, टीचर्स, सब भाई भी चाहते हैं। हाँ हाथ उठाओ। **कल से किसी भी आत्मा के प्रति अगर कोई भी व्यर्थ है, व्यर्थ भावना वा व्यर्थ भाव उसकी आज समाप्ति समारोह मनाने चाहते हैं।**

✦ जो भी आपके चेहरे में देखे आपके चेहरे से फरिश्ता रूप दिखाई दे। फलानी हूँ, फलाना हूँ नहीं। फरिश्ता अनुभव में आवे। इसके लिए ज्वालामुखी योग, **कोई व्यर्थ नहीं। लाइट और माइट स्वरूप योग से व्यर्थ को जलाओ। समर्थ फरिश्ता नज़र आये।**

18-1-12

✦ बापदादा ने देखा कि विशेष मन में कोई भी बात का उमंग-उत्साह आता है तो वह कार्य साकार रूप में अच्छा हो जाता है इसलिए बापदादा इस बारी स्नेह के दिन में यह होमवर्क दे रहा है कि हर एक बच्चा मन के कारण जो संकल्प और समय व्यर्थ जाता है, अगर **कभी भी कोई व्यर्थ संकल्प आ जाता है तो सभी को अनुभव होगा कि उसमें टाइम कितना वेस्ट जाता है। इनर्जी कितनी वेस्ट जाती है।** तो बापदादा यह होमवर्क देने चाहता कि यह दो मास हर एक बच्चा मन के व्यर्थ संकल्प और व्यर्थ समय की बचत का अपने प्रति विधि बनावे। इन दो मास में हर एक अपना चार्ट रखे कि व्यर्थ समय, व्यर्थ संकल्प के ऊपर कितना कन्ट्रोल किया? क्योंकि अभी समय के प्रमाण आप सभी को मन्सा शक्ति द्वारा आत्माओं की मन्सा सेवा करने का समय होगा। **इसके लिए सदा मन के ऊपर अटेन्शन रखना जरूरी है। कहा हुआ भी है मनजीत जगतजीत।** तो मनमनाभव के वायुमण्डल में मन के व्यर्थ को सम्पन्न करना है। कर सकते हैं? करेंगे? वह हाथ उठाओ। **बापदादा इनाम देगा।** अपनी रिजल्ट आप देखना। **मन खुश तो मन की खुशी बांटेंगे।** यह पुरुषार्थ में नम्बर सभी आगे से आगे लेने का अटेन्शन रखो। **व्यर्थ समाप्त,संकल्प समय दोनों समाप्त और समर्थ संकल्प, समर्थ समय आने वाले समय में वायुमण्डल में फैलेगा।**

✦ अभी बापदादा ने हर बच्चे को यह दो मास दिये हैं, इसमें **जितना अटेन्शन देंगे तो अटेन्शन के साथ बापदादा भी एकस्ट्रा आपको सहयोग देगा। मन के मालिक।**

✦ रोज़ रात को रिजल्ट देखो आज मन की रूलिंग पावर,कन्ट्रोलिंग पावर कहाँ तक रही? **अभी व्यर्थ को समाप्त जल्दी-जल्दी करना चाहिए अब समर्थ बन वायुमण्डल में समर्थपन की शक्ति फैलाओ।**

बापदादा तो बच्चों का दु:ख दर्द, पुकार सुन करके बच्चों द्वारा अभी जल्दी समाप्ति कराने चाहते हैं। सुनाया ना, पुरुषार्थ सब कर रहे हैं लेकिन अभी एड करो तीव्र। करना ही है, करेंगे, देखेंगे... यह गे-गे नहीं चलेगा।

2-2-12

- **हर सेन्टर निर्विघ्न, व्यर्थ संकल्प रहित हो सकता है? हो सकता है?** कि इसके लिए समय चाहिए? अभी तक बापदादा के पास कोई सेन्टर ने यह रिपोर्ट नहीं दी है कि हमारा सेन्टर सदा निर्विघ्न है। साथी भी। सिर्फ स्वयं नहीं,साथी भी निर्विघ्न। वह भी टाइम आना है। हो जायेगा क्योंकि बनना तो बच्चों को ही है और कोई एक्जैम्पुल में आयेंगे जो पीछे तीव्र पुरुषार्थी बन आगे जायेंगे लेकिन मैजारिटी तो आपको ही आगे जाना है।
- साथ-साथ जो बापदादा ने दो मास का कार्य दिया है, उसकी भी स्मृति दिला रहे हैं क्यों? बहुत करके यह व्यर्थ संकल्प पुरुषार्थ को तीव्र के बजाए साधारण कर देते हैं ।
- पहले व्हाई व्हाई करते थे, अभी वाह! वाह! करते हैं। चेंज अच्छी लाई है।
- बापदादा को दो चीज़ चाहिए, एक सेवा की वृद्धि हो और दूसरा निर्विघ्न हो।
- दो बातों में नम्बर लो - **एक व्यर्थ समाप्ति और दूसरा सर्विस में निर्विघ्न।**
- बाकी निर्विघ्न हैं यह समाचार अच्छा है। अभी इकट्ठे भी होंगे, इकट्ठे होंगे तो ऐसी-ऐसी जो खुशखबरी है ना वह सभी को सुनाओ। तो उन्हों को यह सुनाओ जैसे कहाँ के 8 सेन्टर हैं, वह सब अच्छे चल रहे हैं तो यह भी अच्छा है ना। हिम्मत है ना। यह समाचार सबको सुनाओ।

19-2-12

- बापदादा तो सदा कहते रहते हैं कि बेहद के वैरागी बन वेस्ट संकल्प और वेस्ट समय दोनों को मिलकर जल्दी से जल्दी त्याग करना अर्थात् बेहद के वैरागी बनना ।
- तो आज बापदादा बच्चों का भी बर्थ डे है, बाप का भी बर्थ डे है। तो यह तो विशेष दिन है ना! सारे कल्प में बाप बच्चों का एक समय जन्म यह इसी बर्थ डे की विशेषता है। तो आज के दिन बाप यही चाहते हैं कि हर बच्चा आज अपने दिल में दृढ़ता को लाके यह दृढ़ संकल्प करे कि हमें व्यर्थ संकल्प और व्यर्थ समय, **क्योंकि अगर सारे दिन को अटेन्शन से चेक करो तो बीच-बीच में समय और संकल्प व्यर्थ जाता है। बापदादा तो सबका रजिस्टर देखते हैं ना! उसको बचाना अर्थात् समाप्ति का समय समीप लाना।** तैयार हो? कि अभी भी कहेंगे आ जाते हैं क्या करें? व्यर्थ का काम है आना, आपका काम क्या है, बिठाना? तो बिठा देते हो तभी तो उसने भी घर बना दिया है।
- तो बापदादा आज आप बच्चों से बर्थ डे की यही सौगात चाहते हैं। देंगे सौगात? देंगे? हाथ उठाओ। दृढ़ निश्चय का हाथ। देखेंगे, करेंगे नहीं। करना ही है। कुछ भी हो जाए त्याग तो त्याग। यह त्याग नहीं लेकिन भाग्य है। तोआज का दिन अगर सही हाथ उठाया तो महत्व का दिन है ना! **अभी से आपके चेहरे पर व्यर्थ की समाप्ति और सदा स्मृति स्वरूप की झलक चेहरे और चलन में आनी चाहिए। यह**

माया के जो शब्द हैं ना ! क्या, क्यों, कब,कैसे... यह समाप्त हो जाएं तब चेहरा और चलन सेवा करेंगे।

- ✦ अब यह संकल्प करो, दृढ़ता से व्यर्थ समय और संकल्प को समाप्त करना है।
- ✦ तो आज के दिन की सौगात अपने को भी दी और बाप को भी दी। **अगर आपका व्यर्थ समय और संकल्प बच गया तो आपका दिन कैसे बीतेगा? सदा खुशनसीब और खुशनुमा बन जायेंगे।** तो अभी संकल्प को अमृतवेले बापदादा से मिलन मनाने के बाद यह रोज़ स्मृति में लाना और सारे दिन में बीच-बीच में चेक करना।
- ✦ लेकिन यह वेस्ट आ जाता है ना तो बाप से किया हुआ वायदा भी भुला देता है। तो वेस्ट खत्म। एक मिनट अभी भी एक मिनट पावरफुल आत्मा बन संकल्प करो **वेस्ट को खत्म करना ही है।** अच्छा।
- ✦ शुद्ध संकल्प हो। तो व्यर्थ स्वत: ही खत्म हो जायेगा ।

5-3-12

- ✦ तो चेक करो एक घड़ी अगर व्यर्थ गई तो एक जन्म की बात नहीं 21 जन्म के सम्बन्ध की बात है इसलिए बापदादा बच्चों को समय प्रति समय अटेन्शन खिंचवा रहे हैं कि संगमयुग की एक घड़ी को भी एक संकल्प को भी व्यर्थ नहीं गवाओ क्योंकि **एक जन्म व्यर्थ नहीं गंवाया लेकिन 21 जन्ममें व्यर्थ गंवाया।** संगमयुग का महत्व हर समय याद रखो।
- ✦ बापदादा ने व्यर्थ समय और व्यर्थ संकल्प का होमवर्क सभी को दिया था। तो सभी ने होमवर्क किया?
- ✦ **विश्व कल्याण में स्व कल्याण स्वत: और सहज हो जायेगा** क्योंकि अगर मन फ्री है तो व्यर्थआता है लेकिन मन बिजी होगा तो व्यर्थ सहज ही समाप्त हो जायेगा।
- ✦ होली का दूसरा अर्थ है हो ली। हो गया, जो बीता सो बीता। हो ली। तो हो ली करना आता है? जो हो चुका वह हो चुका। हो ली शब्द का अर्थ क्या निकलता? बीती सो बीती।
- ✦ तो ऐसी होली मनाई है? होली करना आता है? जो बीता वह बीत गया, हो ली।
- ✦ संगमयुग का समय बहुत प्यारा है, एक सेकण्ड नहीं है एक सेकण्ड एक वर्ष की प्राप्ति समान है इसलिए **बापदादा कहते ही रहते हैं एक सेकण्ड भी व्यर्थ नहीं जाये। एक संकल्प भी व्यर्थ नहीं जाये। समर्थ बनो और समर्थ बनाओ।**

20-3-12

- ✦ आप स्वयं कोई कुछ भी करता है, करता है तो आप समझते भी हो यह ठीक नहीं है फिर दिल में क्या रखते हो? यह ऐसा करता, यह ऐसा करता है, इसका स्वभाव ऐसा है, इसका ऐसा है। दिल में नहीं रखो क्योंकि आपने दिल में बाप को बिठाया है। बिठाया है ना? कांध हिलाओ। बिठाया है पक्का? कि निकालते भी हो बिठाते भी हो? अगर बिठाया है तो दिल में बात रखेंगे, तो बाप के साथ दिल में बात भी रखेंगे। तो दिल में नहीं रखो। बापदादा ने यह युक्ति भी पहले ही सुनाई है कि सदा ऐसी आत्माके प्रति शुभ भावना शुभकामना रखकर अपनी शुभ कामना को कार्य में लगाओ और वैसे भी देखो आप समझते हो यह अच्छा नहीं करती, तो खराब चीज है। तो अगर कोई आपको खराब चीज़ देवे तो आप लेंगे? तो जब खराब

समझते हो तो बुद्धि में रखना, दिल में रखना तो खराब चीज़ लिया क्यों? ऐसे अपनी दिल में सदा बाप को रखते हुए बाप समान बन जायेंगे। यह तो वायदा है ना, बाप समान बनना है ना! बनना है पक्का? कि पता नहीं बनेंगे या नहीं बनेंगे? यह तो नहीं सोचते? प्यार माना फॉलो फादर। **तो बापदादा अभी एक-एक बच्चे को शुभ कामना, शुभ भावना सम्पन्न आत्मा देखने चाहते हैं।**

✦ **आगे जाने चाहते हो तो आगे जाने की यही एक बात करना, दिल में कोई भी व्यर्थ बात नहीं रखना।**

3-4-12

✦ अभी बापदादा यही हर बच्चे से चाहता है कि **फिकर वाली जीवन का आधार है व्यर्थ संकल्प,** तो हर बच्चे के अन्दर व्यर्थ संकल्प का निशान भी नहीं रहे क्योंकि जब मेरे को तेरे में बदल दिया तो आप क्या हो गये? आप हो गये बेफिक्र बादशाह और यह बेफिक्र बादशाह की जीवन कितनी प्यारी है। हर कर्म करते बेफिक्र बादशाह। कोई फिक्र नहीं क्यों, क्या, कैसे, कब तक... यह सब समाप्त हो गये। **बापदादा आज इस सीजन के लास्ट दिन यही चाहते हैं कि हर एक बच्चा व्यर्थ को मेरे के बदले तेरा कर दे। बाप आपे ही भस्म कर देंगे।**

✦ व्यर्थ संकल्प भी किसमें आते हैं? मन में आते हैं ना! तो बापदादा यही चाहते हैं कि हर एक बेफिक्र बादशाह बच्चा अपने मन को अर्थात् वृत्ति को इतना बिजी रखे जो व्यर्थ को आने की मार्जिन ही नहीं रहे। मेहनत नहीं करनी पड़े लेकिन बाप के मोहब्बत में इतना बिजी रहो, वृत्ति की सेवा में इतना मन को बिजी रखो जो युद्ध भी नहीं करनी पड़े।

✦ कभी भी व्यर्थ संकल्प को आने नहीं देंगे। उनका काम है आना, आपका काम क्या है? समाप्त कर देना। तो इस सीजन में बापदादा ने पहले भी कहा है कि **दो बातों का ध्यान रखना है एक तो संकल्प,दूसरा समय।**

✦ **समय और संकल्प को सफल करना ही है। व्यर्थ नहीं जाये।** सुनाया ना एक-एक संकल्प का 21 जन्म का कनेक्शन है।

✦ **तो दूसरी सीजन में बापदादा क्या देखने चाहता है? जानते तो हो। 5 मास 6 मास मिलना है आपको, व्यर्थ से समर्थ संकल्प करने में।**

✦ **तो अगली सीजन में एक तो व्यर्थ का नाम निशान नहीं, मंजूर है? मंजूर है! दिल का हाथ उठाओ। दिल का हाथ उठाना। व्यर्थ होता क्या है, यह मालूम ही गुम हो जाए। जैसे स्वर्ग की शहजादियां आती हैं ना तो उनको दु:ख और अशान्ति का पता ही नहीं है, कहते हैं क्या कहते हैं, यह क्या होता है। ऐसे ही ब्राह्मण परिवार में व्यर्थ का पता ही न हो, व्यर्थ होता क्या है। स्वचिंतन, स्वचिंतक।अच्छा।**

तीव्र पुरुषार्थ

तीव्र पुरुषार्थी बनने के लिए मुख्य पुरुषार्थ है सेकण्ड में बिन्दी लगाना। (15-12-11)

तो रिजल्ट लेंगे तीव्र पुरुषार्थी 6 मास में कितने बनें? और बापदादा इनाम भी देंगे। (3-4-12)

(19-10-11 To 3-4-12)

19-10-11

✦ अभी सभी को तीव्र पुरुषार्थी बनना पड़े क्योंकि थोड़े समय में नम्बर आगे लेना है। तो तीव्र पुरुषार्थी बन आगे से आगे बढ़ते चलो।

✦ बापदादा के पास रिकार्ड तो पहुंच ही जाता है। बापदादा देखेंगे कितने तीव्र पुरुषार्थी बच्चे हैं और एक दो को भी उमंग उत्साह दे आगे बढ़ाने वाले हैं।

15-11-11

✦ बापदादा का कहने का यही सार है कि अभी हर एक को अपना तीव्र पुरुषार्थ कर और दृढ़ संकल्प करना है कि मुझे बाप समान बनना ही है क्योंकि बापदादा ने सुना दिया है कि अचानक परिवर्तन होना है। उसके पहले कम से कम जो सेवा के निमित्त बने हुए हैं, ज़ोन हेडस साथ में सेन्टर इन्चार्ज, साथ में उनके नजदीक के साथी पाण्डव,सेन्टर हेड नहीं बनते लेकिन कोई न कोई विशेष कार्य के निमित्त बने हुए जिनको विशेष आत्मा की नज़र से देखते हैं, उन पाण्डवों को भी अभी तीव्र पुरुषार्थ कर स्व परिवर्तन की झलक बाहर स्टेज पर लानी पड़ेगी।

✦ लेकिन **विशेष बाप जैसे तीव्र पुरुषार्थी बच्चों की संख्या देखने चाहते हैं,** उसके ऊपर थोड़ा सा टीचर्स या निमित्त बनी हुई साथी बहनें, थोड़ा अटेन्शन देंगी तो वह वृद्धि होनी चाहिए। है, हर एक सेन्टर पर निकले हैं, लेकिन जितने निकलने चाहिए उतने अभी निकलने चाहिए।

30-11-11

✦ तो सभी बच्चे अपने अपने पुरुषार्थ में अभी तीव्रता लाओ। पुरुषार्थी हैं,बापदादा देखते हैं पुरुषार्थ करते हैं लेकिन सभी का तीव्रता का पुरुषार्थ अभी होना चाहिए।

✦ अभी हर एक को दृढ़ संकल्प कर रोज़ बापदादा को अपनी रिजल्ट सारे दिन की कैसी देनी है? तीव्र पुरुषार्थ की। पुरुषार्थ नहीं तीव्र पुरुषार्थ। इसके लिए तैयार हैं? हैं तैयार? दो हाथ उठाओ। बहुत अच्छा। अभी बापदादा अचानक ही बीच में रिजल्ट मंगायेगा। डेट नहीं बताते हैं। अचानक ही एक मास के अन्दर कोई भी डेट पर रिजल्ट मंगायेंगे। करना ही है। यह प्रॉमिस अपने आप करो।

✦ तीव्र पुरुषार्थ करने का, पुरुषार्थ करेंगे और करायेंगे। करायेंगे भी और करेंगे भी, इसमें हाथ उठाओ।

✦ एक एक बच्चे को बापदादा आज तीव्र पुरुषार्थी का टाइटल दे रहा है। अभी इसी टाइटल को सदा याद रखना। कोई पूछे आप कौन हैं? तो यही कहना तीव्र पुरुषार्थी। ठीक है सभी को मंजूर है। मंजूर है? अभी ढीला पुरूषार्थ नहीं चलेगा, समय आगे भाग रहा है इसीलिए अभी तीव्र पुरुषार्थी बनना ही है, **समय की पुकार है -तीव्र पुरुषार्थी भव।** तो सभी बच्चों को बापदादा की बहुत-बहुत यादप्यार और तीव्र पुरुषार्थ की सौगात दे रहे हैं।

- आज बापदादा बार-बार कह रहे हैं तीव्र पुरुषार्थी बनना। **तीव्र पुरुषार्थी बन आगे से आगे बढ़ सकते हो। यह वरदान अभी प्राप्त हो सकता है।**
- अभी तीव्र पुरुषार्थ सेवा में भी, धारणा में भी दोनों में तीव्र पुरुषार्थ।

15-12-11

- इसके लिए बापदादा ने पहले भी इशारा दिया है कि अभी समय अनुसार तीव्र पुरूषार्थी बनने की आवश्यकता है। **तीव्र पुरुषार्थी बनने के लिए मुख्य पुरुषार्थ है सेकण्ड में बिन्दी लगाना।** सेकण्ड और बिन्दी, दोनों समान।
- अपने पुरुषार्थ कोतीव्र कर आगे बढ़ रहे हैं।
- तीव्र पुरुषार्थी हैं? तीव्र पुरुषार्थी हैं? अच्छा। सबके तरफ से भी बहुत-बहुत मुबारक है क्यों? तीव्र पुरुषार्थी अर्थात् बापदादा की आशाओं को पूर्ण प्रैक्टिकल करने वाले। तो बापदादा तीव्र पुरुषार्थ की मुबारक दे रहे हैं। तीव्र पुरुषार्थी हैं और सदा तीव्र पुरुषार्थी बन औरों को भी तीव्र पुरुषार्थी बनायेंगे। तो सारा विदेश तीव्र पुरुषार्थी की लिस्ट में आ जाये। ऐसा रिकार्ड कुछ है और कुछ दिखाना है।
- भले पधारे और आगे के लिए अब तीव्र पुरुषार्थ कर आगे से भी आगे जाने का दृढ़ संकल्प करो।
- बढ़ते चलो, तीव्र पुरुषार्थ कर आगे से आगे बढ़ते चलो। अच्छा।

31-12-11

- जिसने आने वाले वर्ष के लिए अपने आगे बढ़ने का, तीव्र पुरुषार्थ का प्लैन बनाया है वह हाथ उठाना।
- 21 जन्म का वर्सा लेना है। तो कहाँ यह एक जन्म और कहाँ 21 जन्म। तो इस एक जन्म में भी काफी समय अपना पुरुषार्थ तीव्र करना पड़े तभी बहुत समय की जो प्राप्ति करनी है, बाप से प्यार है ना तो साथ रहना है ना! नजदीक रहना है ना! ब्रह्मा बाप के साथी बनके राज्य अधिकारी बनना है ना! तो अब भी इतना समय बाप समान तो बनना पड़े।
- बापदादा तो सभी बच्चों को चाहे कोई कमजोर है, चाहे तीव्र पुरुषार्थी है सबको तीन मुबारक दे रहे हैं – एक नव जीवन की मुबारक, दूसरी नव वर्ष की मुबारक और तीसरी नव दुनिया में साथी बन चलने की मुबारक।
- बापदादा तो आज हर बच्चे को देख **यही वरदान दे रहे हैं अगले वर्ष में हर बच्चा तीव्र पुरुषार्थी भव।** अमृतवेले जब याद में बैठते हो और जब उठने का समय होता है उस समय **बापदादा का यह वरदान अपने दिल में याद रखना तीव्र पुरुषार्थी भव।**
- तो इस वर्ष का वरदान जो दिया तीव्र पुरुषार्थी, साधारण पुरुषार्थ नहीं, साधारण पुरुषार्थ है तो राज्य के साथी नहीं बनेंगे। और बाप यही चाहता है जितने भी स्टूडेन्ट, बापदादा की मुरली अध्ययन करने वाले हैं, गॉडली स्टूडेन्ट हैं वह सबके सब क्या बनेंगे? फरिश्ता। सब बोझ उतर जायेगा। कोई भी संस्कार का बोझ समाप्त हो जायेगा। तो इस वर्ष का होमवर्क क्या रहा? **फरिश्ता स्वरूप में रहना है, इसको ही कहा जाता है तीव्र पुरुषार्थ।** अभी हर एक सेन्टर, हर सप्ताह, हर स्टूडेन्ट की रिजल्ट देखे की तीव्र पुरुषार्थी रहे?

अगर कोई भी बात आई, उसके लिए सहयोगी बन करके, स्नेह से उनको हिम्मत दे और अपने सेन्टर को, स्टूडेन्ट को तीव्र पुरुषार्थी बनाये, हर सप्ताह रिजल्ट देखे क्योंकि समय हलचल का होना ही है।

- ✦ नये बच्चे भी तीव्र पुरुषार्थी भव का वरदान ले तीव्र पुरुषार्थी बन औरों की भी सेवा, तीव्र सेवा कर भाग्य बनायेंगे तब सभी मानेंगे सचमुच यह आत्मायें तो सुखदाता के बच्चे सुखदाता हैं।
- ✦ डबल फारेनर्स का लक्ष्य ही है तीव्र पुरुषार्थ करना।

18-1-12

- ✦ अभी आगे क्या करना है? सेवा की मुबारक तो बापदादा ने दे दी, अब बापदादा यही चाहते हैं कि अभी हर एक बच्चे को यह उमंग-उत्साह, दृढ़ निश्चय, तीव्र पुरुषार्थ करना है कि अब बाप समान फरिश्ता बनना ही है क्योंकि अभी सभी को बाप के साथ रिटर्न जरनी करनी है।
- ✦ अभी बापदादा ने देखा कि अभी समय अनुसार जितना सेवा का उमंग-उत्साह प्रैक्टिकल में है इतना ही अभी तीव्र पुरुषार्थी बनना और बनाना, सम्पन्न बनना और बनाना, इस प्वाइंट के ऊपर भी अभी स्वयं भी उमंग-उत्साह में रहना और वायुमण्डल में भी उमंग-उत्साह दिलाना। एक दो के सहयोगी बन अब वायुमण्डल में तीव्र पुरुषार्थ की लहर फैलाओ। जैसे एक दो में सेवा का उमंग वायुमण्डल में फैलाया है ऐसे अभी बापदादा बच्चों में यही शुभ आशा रखते हैं कि यह लहर वायुमण्डल में फैले। बापदादा खुश है लेकिन अभी भी पुरुषार्थ है, तीव्र पुरुषार्थ करना है।
- ✦ पुरुषार्थ करते हैं सभी लेकिन पुरुषार्थ के आगे तीव्र शब्द जोड़ो।
- ✦ पुरुषार्थ सब कर रहे हैं लेकिन अभी एड करो तीव्र।
- ✦ तो अभी क्या करेंगे? जो बापदादा ने कहा है पुरुषार्थ के आगे तीव्र शब्द लगाओ। वायुमण्डल बनाओ। एक दो के सहयोगी बन हर एक अपने-अपने स्थान पर रहते हैं,स्थान को शक्तिशाली बनाओ, साथियों को शक्तिशाली बनाओ।
- ✦ लेकिन जितना लेट आये हो इतना ही तीव्र पुरुषार्थ करना पड़ेगा क्योंकि इस थोड़े टाइम में आपको पूरे 21 जन्मों का भविष्य बनाना है। इतना अटेन्शन रखना पड़ेगा। समय को बचाना, सेकण्ड भी व्यर्थ नहीं गंवाना। तीव्र पुरुषार्थी रहना, साधारण पुरुषार्थ से पहुंचना मुश्किल है।
- ✦ अभी सिर्फ जो आज कहा ना, पुरुषार्थ के आगे तीव्र शब्द सदा लगाओ। **तो तीव्र पुरुषार्थी बच्चे सदा बापदादा को अपने दिल में रखते** और बापदादा हर बच्चे को अपने दिल में रखते।
- ✦ साथ-साथ बापदादा हर स्नेही बच्चों को यह बात कह रहे हैं कि अब हर बच्चे को तीव्र पुरुषार्थ में नम्बरवन का लक्ष्य रख बनना ही है और ड्रामा बनायेगा ही।

2-2-12

- ✦ बहुत करके यह व्यर्थ संकल्प पुरुषार्थ को तीव्र के बजाए साधारण कर देते हैं।
- ✦ आपसे कोई पूछे आपको क्या मिला है, तो क्या जवाब देंगे? अप्राप्त नहीं कोई वस्तु हम ब्राह्मणों के दिल में। पाना था वो पा लिया। अब उसको कार्य में लगाते हुए तीव्र पुरुषार्थी बन समय को समीप लाओ।

- आज पहली बार आने वाले उठो। पहले बारी आये हो तो कमाल करो। क्या कमाल करो? पहले नम्बर का पुरुषार्थ करो। लास्ट से फास्ट और फर्स्ट हो के दिखाओ। हो सकता है, कोई रत्न ऐसे भी निकलने हैं तो आप ही दिखाओ। बापदादा की मदद सभी को है। तीव्र पुरुषार्थ, आने से ही साधारण पुरुषार्थ नहीं, तीव्र पुरुषार्थ करो।

19-2-12

- बापदादा को खुशी है फिर भी हलचल जो होनी है उसके पहले पहुंच गये हो, इसकी मुबारक हो। अभी आने वाला हर बच्चा यह संकल्प करो दृढ़, साधारण संकल्प नहीं,दृढ़ संकल्प करो कि तीव्र पुरुषार्थी बनना ही है। तीव्र, साधारण नहीं। तो आने वाले अपने राज्य में आ जायेंगे इसलिए साधारण संकल्प का समय पूरा हुआ। अभी तीव्र पुरुषार्थ का समय है, चांस है, फिर भी चांस लेने वाले चांसलर तो बन गये। तो बापदादा हर बच्चे को देख खुश है और हर बच्चे को कह रहे हैं कि **तीव्र पुरुषार्थ करेंगे तो साथ जायेंगे,साथ रहेंगे।**
- तीव्र पुरुषार्थी बनने का एक्जैम्पुल बनो, **साधारण तो सभी हैं लेकिन आप तीव्र पुरुषार्थ का सैम्पुल बनो।** उम्मीदवार हैं।
- **अभी तीव्र पुरुषार्थी का ऐसे सैम्पुल बनो, जो बापदादा आपका दृष्टान्त देकरके औरों को भी उमंग-उल्हास में लाये।**
- लेकिन एक-एक बच्चे को सदा तीव्र पुरुषार्थी बन औरों को भी तीव्र पुरुषार्थी अपने संग से भी बना सकते हैं। किसी भी आत्मा को कोई सहयोग चाहिए वह दिलसे सहयोग दे तीव्र पुरुषार्थी बनाते चलो। हर बच्चा तीव्र पुरुषार्थी हो। नम्बरवार नहीं, तीव्र पुरुषार्थी। कम से कम अपने सम्पर्क में रहने वाले, आने वाले हर स्थान तीव्र पुरुषार्थी स्थान हो। यही संकल्प हर एक रखे और **फिर बापदादा इसकी रिजल्ट देखेंगे।** जहाँ सेन्टर वाले सब तीव्र पुरुषार्थी स्वरूप में है उनको बापदादा कोई-कोई नहीं, सभी साथी हो उनको एक गिफ्ट देंगे। हो सकता है ना! कि मुश्किल है? नहीं। कम से कम अपने स्थान को तो बना सकते हैं।अपने सेवाकेन्द्र को तो बना सकते हैं। ऐसा एक्जैम्पुल अभी बापदादा देखने चाहते हैं। जैसे मोहजीत की कहानी है ना, जिसे भी मिले मोहजीत। तो सुनने में अच्छी लगती है ना। ऐसे जिसे भी देखें तीव्र पुरुषार्थी ग्रुप। लक्ष्य रखो, लक्ष्य से लक्षण आ ही जायेंगे।

5-3-12

- अभी तीव्र पुरुषार्थ करना पड़ेगा। पुरुषार्थी नहीं बनना तीव्र पुरुषार्थी बनना। अभी भी अगर तीव्र पुरुषार्थ किया तो तीव्र पुरुषार्थ से आगे बढ़ सकते हो। मार्जिन तीव्र पुरुषार्थ की है। साधारण पुरुषार्थ का टाइम गया ।

20-3-12

- इसलिए सभी तीव्र पुरुषार्थी बनके रहना। पुरुषार्थी नहीं तीव्र पुरुषार्थी क्योंकि अभी समय है, सभी के लिए तीव्र पुरुषार्थी बनने का। **पुरुषार्थ का समय अभी गया, अभी तीव्र पुरुषार्थ का समय है।** तो कभी भी

साधारण पुरुषार्थी नहीं बनना। सदा चेक करना, तीव्रता है? साधारण तो नहीं हो गया! वैसे **अभी समय भी सूचना दे रहा है - तीव्र पुरुषार्थी बनने का।**

3-4-12

✦ तो अगले ग्रुप में जोभी आयेंगे वह तीव्र पुरुषार्थी ग्रुप। जो आगे बढ़े, **ऐसे अगले सीजन में बापदादा सभी को उठवायेंगे, जो भी तीव्र पुरुषार्थी बने हैं, बीच में रूकावट नहीं हुई है, उसको उठायेंगे।** तो डबल विदेशी तो उठेंगे ही। और भी तीव्र पुरुषार्थ करना और **ऐसा तीव्र पुरुषार्थ करना जो बापदादा के आगे हाथ उठा सको।** ठीक है मंजूर है? पहली लाइन मंजूर है! मधुबन वालों को पसन्द है ना !

✦ तो जो भी आये हैं, वैसे तो सुन सभी रहे हैं लेकिन मधुबन वाले तीव्र पुरुषार्थियों में हाथ उठायेंगे। उठायेंगे?

✦ **बापदादा नोट करेंगे, हर एक ज़ोन से कितने तीव्र पुरुषार्थी हैं।** आप लिस्ट देना। हर एक ज़ोन वाले, जो नहीं भी आवे तो लिस्ट जरूर ले आवे जो तीव्र पुरूषार्थ करते हैं उन्हों का नाम लिस्ट लावें। ठीक है। पीछे वाले, ठीक लगता है? आपको ठीक लगता है? बहुत अच्छा। **बापदादा को तीव्र पुरुषार्थी बहुत पसन्द हैं। कब तक साधारण पुरुषार्थ करेंगे। चलना है ना अभी तो घर जाना है ना! तो तीव्र पुरुषार्थी बनके जाना है ना!** बापदादा को, सुनाया भी हर एक बच्चा विजयी हो, यह अच्छा लगता है। यह हुआ, यह हुआ... यह समाचार सुनना अच्छा नहीं लगता है। तो कम से कम जो भी ज़ोन हैं, वह इन 6 मास में, सभी ने तीव्र पुरुषार्थ किया, यह रिजल्ट तो दे सकते हो। अगर 6 मास तीव्र पुरुषार्थ करेंगे तब तो आदत पड़ जायेगी। पड़ जायेगी ना आदत! **तो रिजल्ट लेंगे तीव्र पुरुषार्थी 6 मास में कितने बनें?** और बापदादा इनाम भी देंगे। जिस ज़ोन में ज्यादा से ज्यादा तीव्र पुरुषार्थी होंगे उनको इनाम भी देंगे। मंजूर है! मंजूर है मधुबन वाले?

✦ अगर तीव्र पुरुषार्थ करेंगे तो जितना आगे बढ़ने चाहो उतना बढ़ सकते हो। सिर्फ अटेन्शन देना पड़ेगा बस। और बापदादा को तो खुशी होगी कि वाह बच्चे वाह! तो भले आये, और आते हुए अपने आपको आगे बढ़ाते रहना। तीव्र पुरुषार्थ करते रहना, ओम् शान्ति।

द्रढ संकल्प

(19-10-11 To 3-4-12)

19-10-11

- अच्छा तो इस दीवाली पर यह एक दृढ़ संकल्प करना, जिन्हों ने मैजारिटी ने हाथ उठाया है वह स्वाहा करना इसीलिए आप सबकी तरफ से दृढ़ संकल्प के लिए आज केक काटेंगे। पसन्द है ना! आज का केक इस दृढ़ संकल्प का सूचक है क्योंकि सभी चाहते हैं, अज्ञानी भी चाहते हैं कि अब कुछ होना चाहिए, अब कुछ होना चाहिए लेकिन ताकत नहीं है। आप बच्चों में तो संकल्प को पूर्ण करने की ताकत है। फालो फादर है ना। **ब्रह्मा बाप का जन्म ही दृढ़ संकल्प से हुआ है।** करना है, सोचेंगे नहीं, क्या करूं, क्या नहीं करूं, करना है। **उस एक दृढ़ संकल्प ने इतने बच्चों का भविष्य बनाया।** एक ब्रह्मा बाप ने कितनी हिम्मत रखी। आधा हिस्सा मिला और यज्ञ रचा। यज्ञ के ब्राह्मण रचे और अब देश विदेश की आत्मायें पहुंच गई हैं, एक ब्रह्मा बाप के दृढ़ संकल्प के कारण। तो दृढ़ संकल्प क्या नहीं कर सकता। यह तो एक्जैम्पुल है आपके आगे। संकल्प करते हो बहुत अच्छे अच्छे संकल्प बाप के पास पहुंचते हैं लेकिन उसमें दृढ़ता कम होती है। कोई बात सामने आई ना तो दृढ़ता कम हो जाती है। दृढ़ता सफलता की चाबी है। देखो, दिल्ली वालों ने दृढ़ संकल्प किया, करना ही है। हो गया ना! सोचेंगे, देखेंगे, यह नहीं किया। सब का दृढ़ संकल्प, निमित्त बनें जैसे निमित्त बनें यह बच्ची, बच्चे, लेकिन सबका सहयोग और दृढ़ संकल्प उसने प्रैक्टिकल सफलता लाई। इसमें सबने साथ दिया और एकमत हुए। हाँ ना, हाँ ना नहीं, एक दृढ़ मत हुई तो दृढ़ता में इतनी शक्ति है। जो कार्य आरम्भ करते हैं उसमें पहले दृढ़ संकल्प का बीज डालो, उसका फल निकलना ही है। यह इतना 75 वर्ष कैसे बीता, ब्रह्मा बाप और बच्चों के साथ ने दृढ़ संकल्प से 75 वर्ष पूरे किये। उमंग-उत्साह से बढ़ते बढ़ाते रहे, तब यह 75 वर्ष पूरे किये। अभी यह संकल्प करो आज व्यर्थ समय, व्यर्थ संकल्प समाप्त करना ही है।जब व्यर्थ समाप्त हो जायेगा तो सदा श्रेष्ठ संकल्प का खजाना कमाल दिखायेगा।
- सफलता आप बच्चों का हर एक का जन्म सिद्ध अधिकार है। उसको यूज़ करो। अलबेले नहीं बनो। हो जायेगा, कर लेंगे, यह नहीं सोचो। करना ही है, यह है ब्राह्मणों की भाषा।
- अभी संस्कार मिलन की रास हर एक अपने मन में दीवाली में संकल्प करो। एक भी आत्मा एक दो से दूर नहीं हो, सब एक हो। तो इस दीवाली पर संस्कार मिलन की रास करना। मन में दृढ़ संकल्प करना कि एक भी मेरे से भारी नहीं हो, सब हल्के। संस्कार नहीं मिलते हैं तो भारी होते हैं। तो बाप समझते हैं कि इस संकल्प से गेट का दरवाजा खोलने के लिए जल्दी तैयार हो जायेंगे।

15-11-11

- बापदादा का कहने का यही सार है कि अभी हर एक को अपना तीव्र पुरुषार्थ कर और दृढ़ संकल्प करना है कि मुझे बाप समान बनना ही है क्योंकि बापदादा ने सुना दिया है कि अचानक परिवर्तन होना है।
- लेकिन हाथ के साथ दृढ़ संकल्प भी करो। दृढ़ता की शक्ति बहुत सहयोग देती है।

- ✷ लेकिन अभी दृढ़ता को प्रैक्टिकल में लायेंगे। होशियार हैं ना बच्चे, दृढ़ता करते भी हैं लेकिन फिर दृढ़ता भिन्न-भिन्न रूप में बदल जाती है। यह हो गया, यह हो गया। यह नहीं होता तो वह नहीं होता। इस बहाने में बहुत होशियार हैं। तो अभी बापदादा क्या चाहते हैं? अभी हरेक को बाप समान बनना है, मन्सा वाचा कर्मणा, सम्बन्ध सम्पर्क में आपको जो भी देखे, जो भी मिले वह यही कहे वाह परिवर्तन वाह!
- ✷ तो आज क्या संकल्प किया? बनना ही है। ब्रह्मा बाप समान बनना ही है। बनना है नहीं, बनना ही है। कोई भी बातें आयें, बात के बजाए बाप को आगे रखो।

30-11-11

- ✷ बापदादा अभी यही चाहते हैं कि एक एक बच्चा फॉलो फादर करते हुए बाप समान सम्पन्न जरूर बनें। बापदादा ने देखा कि पुरुषार्थ भी सब बच्चे करते हैं। पुरुषार्थ की लगन भी है, अपने से ही प्रॉमिस भी बहुत करते हैं, अब नहीं करेंगे, अब नहीं करेंगे... लेकिन कारण क्या होता है? कारण है पुरुषार्थ में दृढ़ता कम है। बीच बीच में अलबेलापन आ जाता है। हो जायेंगे, बन जायेंगे... यह अलबेलापन पुरुषार्थ को ढीला कर देता है।
- ✷ अपने आप से यह संकल्प करो और प्रैक्टिकल करके दिखाओ। करना ही है। करेंगे, गे-गे नहीं.. अभी गे-गे अच्छी नहीं है।

15-12-11

- ✷ लेकिन जो दो शब्द बाप चाहते हैं समान और सम्पूर्ण, इसको भी सम्पन्न करना ही है।
- ✷ भले पधारे और आगे के लिए अब तीव्र पुरुषार्थ कर आगे से भी आगे जाने का दृढ़ संकल्प करो। दृढ़ता सफलता की चाबी है। तो बापदादा जो भी आज बच्चे आये हैं उन्हों को विशेष दृढ़ता के चाबी की सौगात दे रहे हैं।
- ✷ **दृढ़ता को कभी भी हल्का नहीं करना। दृढ़ता आपको सदासहज आगे बढ़ाती रहेगी।**

31-12-11

- ✷ इसके लिए क्या करेंगे? अपने लिए कोई प्लैन भी सोचा है? इसके लिए सबसे अच्छी बात है दृढ़ संकल्प। संकल्प है, होना चाहिए लेकिन संकल्प में तीव्रता चाहिए। जैसे ब्राह्मण बनने के साथ-साथ यह प्रतिज्ञा की कि कोई भी अशुद्ध भोजन स्वीकार नहीं करना है। तो बापदादा ने देखा इसमें दृढ़ संकल्प द्वारा मैजारिटी पास हैं। **जैसे तन के लिए अशुद्ध भोजन का संकल्प किया और प्रैक्टिकल कर रहे हो,ऐसे ही मन के लिए यह दृढ़ संकल्प करना है कि कभी भी किसी के प्रति भी किसी भी सरकमस्टांश प्रमाण कोई भी व्यर्थ संकल्प न कर सदा हर आत्मा के प्रति शुभ भावना, शुभ कामना रखनी ही है। मन का भोजन है संकल्प,**तो जैसे तन के लिए दृढ़ संकल्प मैजारिटी ने किया है, ऐसे ही क्या मन के लिए व्यर्थ संकल्प, अशुद्ध भावना मिटा नहीं सकते? हर आत्मा के प्रति दिल का स्नेह और सहयोग अपने मन में नहीं रख सकते हैं?

✴ तो आज बापदादा इस पुराने वर्ष के साथ इस वृत्ति वा दृष्टि को हर बच्चे से विदाई चाहते हैं। यह दृढ़ संकल्प कर सकते हो?

✴ बापदादा को खुशी है कि डबल फारेनर्स के जो संस्कार है, जो करना है वह पूरा ही करना है। आधा, पौना नहीं करना है, करना है तो पूरा ही करना है ।

✴ सब अपने अन्दर एक संकल्प रखो, हमको निर्विघ्न बनना ही है, बनाना ही है।

✴ बापदादा नये वर्ष में नवीनता चाहते हैं, वही संस्कार नहीं चाहते हैं। एक-एक बच्चा बाप समान दिखाई दे। फालो ब्रह्मा बाप। **सरकमस्टांश, बातें सब कुछ बापके आगे आई लेकिन फरिश्ता बन गये। तो फरिश्ता बनना ही है यह दृढ़ संकल्प हर एक अपने आपसे करे क्योंकि अपने आपसे करेंगे तो अटेन्शन रहेगा। मुझे बनना है बस। और आपके बनने से नेचरल वायब्रेशन फैलेगा।** तो अभी क्या लक्ष्य रखा? फरिश्ता बनना ही है।

✴ तो सभी बापदादा के इस मुबारक को ''मैं कौन'' बोलो, फरिश्ता। पक्का याद रहेगा। अमृतवेले योग करने के बाद फिर से याद करने के बाद फिर से याद करना, मैं कौन? मैं फरिश्ता। फरिश्ता हूँ और फरिश्ता रूप से बाप समान सम्पन्न सम्पूर्ण बनूंगा ही। पक्का। पक्का !

18-1-12

✴ अभी आगे क्या करना है? सेवा की मुबारक तो बापदादा ने दे दी, अब बापदादा यही चाहते हैं कि अभी हर एक बच्चे को यह उमंग-उत्साह, दृढ़ निश्चय, तीव्र पुरुषार्थ करना हैं कि **अब बाप समान फरिश्ता बनना ही है क्योंकि अभी सभी को बाप के साथ रिटर्न जरनी करनी है। समान फरिश्ता बनना ही है क्योंकि सभी का वायदा है साथ चलेंगे, साथ राज्य करेंगे।**

✴ ऐसे ही आप बच्चों को भी अभी **बाप समान बेफिक्र बादशाह फरिश्ता बनना ही है।** यह दृढ़ संकल्प है, बनना ही है! कि यह सोचते हो बन ही जायेंगे!

✴ पुरुषार्थ सब कर रहे हैं लेकिन अभी एड करो तीव्र। करना ही है, करेंगे, देखेंगे... यह गे-गे नहीं चलेगा।

✴ हर एक अपने दिल में दृढ़ संकल्प करो, संकल्प अच्छे-अच्छे करते हो, अमृतवेले बापदादा देखते हैं कि संकल्प अच्छे करते हो यह करेंगे, यह करेंगे, यह करेंगे लेकिन जब कर्मयोगी बनते हो, सम्बन्ध-सम्पर्क में आते हो उसमें फर्क हो जाता है। कर्मयोगी की स्थिति उसमें अटेन्शन ज्यादा चाहिए।

✴ साथ-साथ बापदादा हर स्नेही बच्चों को यह बात कह रहे हैं कि अब हर बच्चे को तीव्र पुरुषार्थ में नम्बर वन का लक्ष्य रख बनना ही है और ड्रामा बनायेगा ही।

2-2-12

✴ तो अभी बापदादा यही चाहते हैं कि जैसे प्यार है, ऐसे यह लक्ष्य रखो कि हमें बाप समान बनना ही है, इसमें हाथ उठाओ।

✴ वह भी टाइम आना है। हो जायेगा क्योंकि बनना तो बच्चों को ही है और कोई एक्जैम्पुल में आयेंगे जो पीछे तीव्र पुरुषार्थी बन आगे जायेंगे लेकिन मैजारिटी तो आपको ही आगे जाना है। बापदादा ने देखा मुरली से

प्यार मैजारिटी का है लेकिन **जैसे जगत अम्बा ने प्रत्यक्ष जीवन में दिखाया कि जो बाप ने कहा वह करना ही है,** लक्ष्य रखा और पुरुषार्थ के तरफ अटेन्शन भी दिया।

✴ तीव्र पुरुषार्थ, आने से ही साधारण पुरुषार्थ नहीं, तीव्र पुरुषार्थ करो। करना ही है, बनना ही है। आगे जाना ही है। यह दृढ़ संकल्प रखो।

19-2-12

✴ बाप से प्यार है ना तो प्यार के कारण जो बाप कहते हैं वह करने चाहते हैं, यह बाप के पास भी रिजल्ट आती है लेकिन क्या है, दृढ़ता कम है, दृढ़ता को यूज़ करो। संकल्प करते हो लेकिन एक है संकल्प करना, दूसरा है दृढ़ संकल्प करना। तो बार-बार किये हुए संकल्प में दृढ़ता लाना, यह अटेन्शन कम है। **दृढ़ता सफलता की चाबी है।** तो आज क्या करेंगे? संकल्प करेंगे या दृढ़ संकल्प करेंगे? अगर आपका दृढ़ संकल्प है तो उसकी निशानी है दृढ़ता सफलता की चाबी है। तो चाबी लगाने में कोई कमी रह जाती है इसीलिए सम्पूर्ण सफलता नहीं मिलती है।

✴ तो आज बापदादा बच्चों का भी बर्थ डे है, बाप का भी बर्थ डे है। तो यह तो विशेष दिन है ना! सारे कल्प में बाप बच्चों का एक समय जन्म यह इसी बर्थ डे की विशेषता है। तो आज के दिन बाप यही चाहते हैं कि हर बच्चा आज अपने दिल में दृढ़ता को लाके यह दृढ़ संकल्प करे कि हमें व्यर्थ संकल्प और व्यर्थ समय, क्योंकि अगर सारे दिन को अटेन्शन से चेक करो तो बीच-बीच में समय और संकल्प व्यर्थ जाता है।

✴ तो बापदादा आज आप बच्चों से बर्थ डे की यही सौगात चाहते हैं। देंगे सौगात? देंगे? हाथ उठाओ। दृढ़ निश्चय का हाथ। देखेंगे, करेंगे नहीं। करना ही है। कुछ भी हो जाए त्याग तो त्याग। यह त्याग नहीं लेकिन भाग्य है।

✴ अब यह संकल्प करो, दृढ़ता से व्यर्थ समय और संकल्प को समाप्त करना है।

✴ तो आज चारों ओर के बच्चों को बापदादा बर्थ डे की सौगात यही दे रहे हैं ''कहना और करना'' एक करो। **दृढ़ता की सौगात आज के दिन की बापदादा हर बच्चे को दे रहे हैं। शुभ कार्य दृढ़ता से सफल करो।**

✴ बापदादा को खुशी है फिर भी हलचल जो होनी है उसके पहले पहुंच गये हो, इसकी मुबारक हो। अभी आने वाला हर बच्चा यह संकल्प करो दृढ़, साधारण संकल्प नहीं, दृढ़ संकल्प करो कि तीव्र पुरुषार्थी बनना ही है। तीव्र, साधारण नहीं।

5-3-12

✴ कहते हैं बाबा हमने तो बहुत कोशिश की, फिर फिर आ जाता है। चाहता नहीं हूँ लेकिन आ जाता है। कारण पता है? जलाते हो, बापदादा देखते हैं, पुरुषार्थ बहुत करते हैं लेकिन पुरुषार्थ के साथ दृढ़ संकल्प की आवश्यकता है। दृढ़ता सफलता की चाबी है। जो दृढ़ संकल्प किया जाता है, दृढ़ का अर्थ ही है फिर वापस नहीं आयेगा।

- चाहते तो नहीं है, आ जाता है। तो शक्ति कम है ना! दृढ़ता कम है ना! दृढ़ संकल्पधारी बनो। करना ही है। और उस दृढ़ संकल्प को रोज़ चेक करो किस कारण से फिर दृढ़ता में कमजोरी आई? और उस सरकमस्टांश के ऊपर विशेष अटेन्शन देते रहो कि यह फिर से नहीं आवे।
- **करना ही है क्योंकि अभी समय की गति को देख रहे हो। और बापदादा तो बहुत समय से अचानक की वारनिंग दे रहे हैं इसलिए अभी बापदादा हर बच्चे को एक स्वमान देते हैं - हर बच्चा दृढ़ संकल्पधारी विशेष आत्मा बनो। संकल्प किया और हुआ, इसको कहा जाता है दृढ़ संकल्प।** कहते हैं दृढ़ संकल्प किया लेकिन दृढ़ता माना हाँ सफलता। अगर सफलता नहीं है तो दृढ़ता नहीं कहेंगे। तो अभी दृढ़ता भव ! **यह अपना विशेष स्वमान रोज़ अमृतवेले स्मृति में लाना और उस विधि पूर्वक आगे बढ़ना।**

20-3-12
- ब्रह्मा बाप को फॉलो करना अर्थात् ब्रह्मा बाप समान बनना। हिम्मत है? फॉलो करने की हिम्मत है? जो समझते हैं करना ही है, वह हाथ उठाओ। पहले सोचना फिर करना। करके नहीं सोचना।

3-4-12
- कभी भी व्यर्थ संकल्प को आने नहीं देंगे।
- तो अभी इस सीजन में बापदादा बच्चों को यही दृढ़ संकल्प कराने चाहते हैं, तैयार हो ना !

अमृतवेला

(19-10-11 To 3-4-12)

19-10-11

✷ अभी तो आपके लिए, बच्चों के लिए आवाह्न कर रहे हैं, आपकी एडवांस पार्टी भी आवाह्न कर रही है। सुनाया था चार बजे एडवांस पार्टी वाले भी वतन में आते हैं, तो पूछते हैं कब मुक्ति का गेट खोलेंगे? किसको खोलना है? आप सभी मुक्ति का गेट खोलनेवाले हो ना! आपका सम्पूर्ण बनना अर्थात् मुक्ति का गेट खुलना।

15-11-11

✷ सभी बच्चे प्लैन बहुत अच्छा बनाते हैं, अमृतवेले बहुत मीठी मीठी बातें करते हैं सब। मैजारिटी इतनी मीठी बातें करते हैं जो बाप भी बातें सुन कुर्बान हो जाते हैं। लेकिन पता है फिर क्या होता? जब कर्म के क्षेत्र में आते हैं, सम्बन्ध में आते हैं, सेवा में आते हैं, तो जो बातें आती हैं उसमें थोड़ा थोड़ा बदल जाते हैं।अमृतवेले का जो उमंग उत्साह है वह कर्म करते, सम्बन्ध में आते थोड़ा थोड़ा बदल जाता है।

30-11-11

✷ आज बापदादा ने देखा, अमृतवेले चक्कर लगाया। चारों ओर का चक्कर लगाया, चाहे विदेश चाहे देश। बापदादा को चक्कर लगाने में समय नहीं लगता। तो क्या देखा? बतायें। सभी मैजॉरिटी बैठे तो थे, उठकर अपने अपने स्थानों पर बैठे थे, पुरुषार्थ भी कर रहे थे कि सारा समय अपने सर्व अनुभवीमूर्त हो करके बैठें लेकिन क्या देखा? अनुभवी मूर्त कोई कोई थे, क्योंकि सबसे बड़ी शक्ति अनुभव की है। अनुभवी स्वरूप, सर्वशक्तियों के अनुभवी स्वरूप, मास्टर नॉलेजफुल, मास्टर सर्वशक्ति स्वरूप, तो अनुभवी स्वरूप बनने में कुछ कमी दिखाई दी। पुरुषार्थ करते हैं, बापदादा ने फिर भी मुबारक दी जो पुरुषार्थ करके मैजारिटी आते हैं। **बैठते मैजारिटी हैं लेकिन बापदादा यही चाहते हैं कि लाइट माइट स्वरूप के अनुभवी मूर्त बन बैठें क्योंकि यह अमृतवेले के योग की सकाश सारे वायुमण्डल में फैलती है।** इस अनुभव को और आगे बढ़ाओ। जैसे ब्रह्मा बाबा को देखा, कितनी पावरफुल फरिश्ते स्वरूप की स्थिति रही। ऐसे ही इस अमृतवेले को अभी अपने अपने रूप से अटेन्शन और अथक होकर दो। बापदादा ने देखा कई बच्चे लाइट माइट रूप में भी बैठते हैं, ना नहीं है, हाँ भी है लेकिन इस समय के पुरुषार्थ को और भी अटेन्शन देना होगा ।

15-12-11

✷ गुरू से क्या मिलता है? वरदान। तो गुरूवार के दिन वरदान का दिन विशेष है, इस रूप से गुरूवार को मनाओ। **कोई न कोई विशेष वरदान अमृतवेले से अपने बुद्धि में इमर्ज रखो।**

31-12-11

✴ तो बापदादा आज अमृतवेले चारों ओर, चाहे विदेश चाहे देश, चारों ओर चक्र लगाने गये। तो क्या देखा? योगमें अमृतवेले बैठते मैजारिटी हैं लेकिन स्नेह में बैठते हैं, बापदादा से बातें भी करते हैं, आत्मिक स्मृति में भी बैठते,बापदादा से शक्ति भी लेते हैं लेकिन अभी बापदादा आने वाले नये वर्ष में नवीनता चाहते हैं क्योंकि **अभी समय दिन प्रतिदिन नाज़ुक आना ही है। तो ऐसे समय पर अभी ज्वालामुखी योग चाहिए।** वह ज्वालामुखी योग की आवश्यकता अभी आवश्यक है। **ज्वालामुखी योग अर्थात् लाइट माइट स्वरूप शक्तिशाली।**

✴ बापदादा तो आज हर बच्चे को देख यही वरदान दे रहे हैं अगले वर्ष में हर बच्चा तीव्र पुरुषार्थी भव। **अमृतवेले जब याद में बैठते हो और जब उठने का समय होता है उस समय बापदादा का यह वरदान अपने दिल में याद रखना तीव्र पुरुषार्थी भव।**

✴ बापदादा को भी फॉरेन में चक्र लगाने का समय मिलता है। कौन सा समय मिलता है? अमृतवेला।

✴ अभी नये वर्ष में बापदादा ने जो होमवर्क दिया, वह करके सभी बापदादा को फरिश्ता रूप दिखाना। अभी-अभी आज के दिन दृढ़ निश्चय करो, मैं कौन, मैं फरिश्ता, मैं फरिश्ता, मैं फरिश्ता हूँ,यही सभी चेहरा और चलन बाप के सामने, विश्व के सामने दिखाना है। तो सभी बापदादा के इस मुबारक को ''मैं कौन'' बोलो, फरिश्ता। पक्का याद रहेगा। **अमृतवेले योग करने के बाद फिर से याद करने के बाद फिर से याद करना, मैं कौन? मैं फरिश्ता। फरिश्ता हूँ और फरिश्ता रूप से बाप समान सम्पन्न सम्पूर्ण बनूंगा ही।**

18-1-12

✴ बापदादा भी देखते हैं कि स्नेह सबका है लेकिन स्नेह के साथ शक्ति भी चाहिए। **इसके लिए अमृतवेले को पावरफुल बनाओ,** बैठते हैं बापदादा बैठने की मुबारक देते हैं लेकिन जो बैठने का वायुमण्डल शक्तिशाली चाहिए,कोई कैसे बैठता है, कोई कैसे बैठता है। अगर आप फोटो निकालो ना, तो आपको खुद लगेगा कि और कुछ होना चाहिए। **जो बापदादा ने ज्वालामुखी योग कहा, उसके ऊपर अभी और गहरा अटेन्शन देना।**

2-2-12

✴ बापदादा तो अमृतवेले हर बच्चे को स्नेह देते हैं।

✴ बापदादा ने आज अमृतवेले चक्र लगाया, तो क्या देखा? बैठते सभी अपने रूचि से भी हैं लेकिन सबसे बड़ी अथॉरिटी है अनुभव की। तो देखा बैठते हैं लेकिन अनुभव की अथॉरिटी, स्मृति में बैठते हैं लेकिन स्मृति स्वरूप अनुभव हो। अनुभव की अथॉरिटी का आनंद वह थोड़ा समय होता है। सोचते हैं मैं बापदादा के तख्तनशीन हूँ लेकिन स्वरूप के स्मृति स्वरूप अनुभवी मूर्त, अनुभव में खो जाये उसका अभी और भी आगे बढ़ाना होगा क्योंकि अनुभव की अथॉरिटी सबसे बड़े ते बड़ी है। स्मृति स्वरूप रहना इसको कहा जाता है अनुभव।

✴ तो अभी इस अनुभव की अथॉरिटी के अभ्यास के ऊपर और अटेन्शन दो। अनुभव स्वरूप की स्थिति सदा समाई हुई रहती है,उसकी शक्ल, चलन सेवा करती है।

✴ बापदादा चक्र भी लगाते हैं विदेश में। अमृतवेले भी चक्र लगाते हैं। इसमें अभी अनुभव स्वरूप बनके बैठना, इसमें और अटेन्शन क्योंकि अनुभव की अथॉरिटी बहुत बड़ी है। लक्ष्य अच्छा रखके बैठते हैं लेकिन उसका प्रभाव सुबह की ताकत का कर्मयोग में भी पड़े, सेन्टर के वायुमण्डल में भी पड़े, यह थोड़ा एडीशन चाहिए।

19-2-12

✴ तो अगर रोज़ बार-बार चेक करो संगम का हर दिन बाप के स्नेह का दिन है। जैसे आज विशेष दिन होने के कारण ज्यादा याद रहा ना ! **ऐसे सदा अमृतवेले यह स्मृति में रखो कि यह संगम का एक-एक दिन कितना महान है।** एक छोटे से जन्म में 21 जन्म की प्राप्ति गैरन्टी है। तो एक-एक दिन का कितना महत्व हुआ! कहाँ 21 जन्म और कहाँ यह छोटा साएक जन्म।

✴ तो आज के दिन की सौगात अपने को भी दी और बाप को भी दी। अगर आपका व्यर्थ समय और संकल्प बच गया तो आपका दिन कैसे बीतेगा? सदा खुशनसीब और खुशनुमा बन जायेंगे। तो **अभी संकल्प को अमृतवेले बापदादा से मिलन मनाने के बाद यह रोज़ स्मृति में लाना और सारे दिन में बीच-बीच में चेक करना।**

✴ दिलाराम है, हर एक के दिल का दिलाराम है और **यही दिल के दिलाराम से सदा अमृतवेले मुबारक लेते रहना और चारों ओर मुबारक देते रहना।**

5-3-12

✴ तो **अभी दृढ़ता भव! यह अपना विशेष स्वमान रोज़ अमृतवेले स्मृति में लाना** और उस विधि पूर्वक आगे बढ़ना।

✴ (दादी जी ने बनाई) दादी तो थी ही दादी। लेकिन जो भी महारथी गये हैं उनकी विशेषता यह है अमृतवेले हाज़िर हो जाते हैं। अमृतवेले का मिलन छोड़ा नहीं है। जैसे यहाँ भी नियम में चलके चलाया। कहने से नहीं, चलके चलाया, ऐसे ही सभी को उमंग उत्साह में लाया।

20-3-12

✴ आप सबको भी सदा अमृतवेले यादप्यार दिया और सदा बाप के साथ मिलकर ज्ञान की बातें,स्नेह की बातें, उमंग-उल्हास की बातें सुनाई।

✴ तो बापदादा आज अमृतवेले चारों तरफ के चाहे देश चाहे विदेश में चक्र लगाने गये। वैसे तो बापदादा मैजारिटी चक्र लगाते ही हैं लेकिन आज जब चक्र लगाया, सुनाया था तो बापदादा चक्र लगाने जाता है तो विशेष आपके पूर्वज दादियां भी साथ में चक्र लगाने चलती हैं।

✷ अभी फॉलो ब्रह्मा बाप। कभी भी कुछ भी होवे,कोई क्वेश्चन हो या कोई प्राब्लम हो, प्राब्लम की तो दुनिया ही है। तो फौरन अपनी टीचर द्वारा उसका हल करा देना। दो दिन हो गया है, ऐसा है, यह नहीं करना क्योंकि बहुत पीछे आये हो ना और जाना तो आगे चाहते हो ना !पीछे रहना चाहते हो? नहीं। आगे जाने चाहते हो तो आगे जाने की यही एक बात करना, दिल में कोई भी व्यर्थ बात नहीं रखना। इसके लिए अपना अमृतवेले बाप से मिलने के बाद, एक तो अमृतवेला जरूर करना।

✷ अमृतवेले उठके जितने बजे भी उठ सको तो अमृतवेले बाप को याद करके रोज़ बाप से आशीर्वाद लो। बाप से आशीर्वाद मिलेगी जिससे खुश भी रहेंगे, निर्विघ्न भी रहेंगे। सब ठीक हो जायेंगे। आप में शक्ति भरेगी तो उन्हों में भी शक्ति भरेगी। हो जायेगा सिर्फ यह थोड़ा उठके बाप को याद करके शक्ति लेते रहो। मेरा बाबा कहना और शक्ति लेना।

3-4-12

✷ (अभी 6 मास तो नहीं मिलेंगे) मिलते रहेंगे, अमृतवेले तो मिलेंगे।

एकव्रता

(19-10-11 To 3-4-12)

19-10-11

✷ अभी बहुत सहज याद की यात्रा द्वारा अपने को सम्पन्न बनाके आगे से आगे बढ़ने का प्रयत्न करेंगे और आगे हो सकते हैं ।

✷ सदा बाप के साथ रहनेवाले, सदा आपस में भी कल्याण और रहम की शुभ भावना में रहने वाले, एक-एक बच्चे को नाम सहित बापदादा दिल की याद प्यार दे रहे हैं।

✷ लेकिन बाप की नज़र है। (आपका वरदान है) वरदान तो बाबा है ही वरदाता।

✷ बाप तो सभी बच्चों के साथ है। मदद है।

✷ लेकिन मदद भी कोई लेवे। बाप की मदद तो है लेकिन समय पर लेवे।

15-11-11

✷ एक सेकण्ड में जाना मेरा बाबा, बाबा ने कहा मेरे बच्चे, इतने में ही खजानों के मालिक बन गये। तो हर एक बच्चे के पास सर्व खजाने सदा साथ हैं ना! नशा है जो बाप का खजाना वह मेरा खजाना।

✷ कुछ भी हो जाए, क्या भी परिस्थिति हो जाए, परिस्थिति आयेगी, माया सुन रही है ना, तो माया अपना रूप तो दिखायेगी लेकिन माया का काम है आना और आपका काम है विजय पाना। यह नहीं कहना, यह हो गया, वह हो गया, यह नहीं करना। आयेगा, होगा, यह तो बापदादा पहले ही सुना देता है क्योंकि माया सुन रही है, वह बहुत चतुर है लेकिन आप, माया कितनी भी चतुर हो **आप तो सर्वशक्तिवान के साथी हो, माया क्या करेगी।**

30-11-11

✷ हर बच्चे का प्रॉमिस है कि हमारे दिल में बाप है और हम हर एक बाप के दिल में हैं इसलिए बाप का टाइटल दिलाराम है।

15-12-11

✷ आज बापदादा बेफिक्र बादशाहों की सभा देख रहे हैं। यह सभा इस समय ही लगती है **क्योंकि सभी बच्चों ने अपने फिकर बाप को देकर बाप से फखुर ले लिया है।** यह सभा अभी ही लगती है। आप भी हर एक सवेरे से उठते कर्म करते भी बेफिक्र और बादशाह बन चलते हो ना! यह बेफिक्र का जीवन कितना प्यारा लगता है। बेफिक्र की निशानी क्या दिखाई देती है? हर एक के मस्तक में लाइट, आत्मा चमकती हुई दिखाई देती है। **यह बेफिक्र जीवन कैसे बनी? बाप ने सभी बच्चों के जीवन से फिकर लेकर फखुर दे दिया है।** जिनके जीवन में फखुर नहीं फिकर है उनके मस्तक में लाइट नहीं चमकती है। उनके मस्तक में बोझ की रेखायें देखने में आती हैं। तो बताओ आपको क्या पसन्द है? लाइट या बोझ? **अगर कोई बोझ भी आता है तो बोझ अर्थात् फिकर बाप को देकर फखुर ले सकते हैं।** आप

सबको बेफिक्र लाइफ पसन्द है ना! देखने वाले भी बेफिक्र लाइफ पसन्द करते हैं। तो बापदादा आज चारों ओर के बच्चों के चाहे सम्मुख हैं, चाहे जहाँ भी बैठे हैं, बच्चों के मस्तक बीच चमकती हुई लाइट ही देख रहे हैं। तो सदा बेफिक्र रहते हैं या कभी कोई फिक्र भी आता है? है कोई फिकर? **जब बाप ने प्रकृतिजीत, विकारों जीत बना दिया तो फिकर कैसे आ सकता है?** तो हाथ उठाओ बेफिकर बने हो? बने हो सदा? सदा बने हो या कभी-कभी? कभी-कभी वाले भी हैं? हाथ तो नहीं उठाते, बापदादा भी नहीं देखने चाहते हैं। **बापदादा हर बच्चे को बेफिक्र बादशाह देखने चाहते हैं।** अगर कभी-कभी वाले भी हैं तो **बहुत सहज विधि है जो भी थोड़ा बहुत फिकर आता है तो मेरे को तेरे में बदल लो। यह हद के मेरेपन को, मेरे को तेरे में बदलने की बहुत सहज विधि है। आप तो कहते ही हो मेरा बाबा, तो अब मेरा क्या रहा? हद का मेरा तो समाप्त हुआ ना! मेरा बाबा हो गया।** सभी दिल से कहते हो ना मेरा बाबा! प्यारा बाबा! मीठा बाबा! तो मेरे में तेरे को समाना मुश्किल है क्या?फर्क क्या है? ते और मैं, इतना छोटा सा फर्क है। **संकल्प कर लिया सब तेरा और मेरा क्या रहा? मेरा बाबा।** तो बापदादा ने देखा मैजारिटी बच्चों ने हद के मेरे को तेरा बनाया है इसलिए क्या बन गये? बेफिक्र बादशाह। तो आज बापदादा बच्चों को बेफिक्र बादशाह स्वरूप में देख रहे हैं। देखो, भक्ति मार्ग में भी आपके चित्र बनाते हैं तो डबल ताज दिखाते हैं। एक तो लाइट का ताज है ही क्योंकि बेफिक्र आत्मा की निशानी है मस्तक में लाइट चमकती है और दूसरा ताज विकारों पर विजयी बने हो इसलिए ताज दिखाया है इसलिए यह अटेन्शन रखो कि जब बापदादा ने फिकर लेकर फखुर दे दिया तो क्या बन गये? बेफिक्र बादशाह। बादशाह बने हैं तो तख्त भी चाहिए ना!तो बापदादा ने तीन तख्त के मालिक बनाया है। जानते हो तीन तख्त कौन से हैं? एक तख्त भ्रकुटी का, यह तो सबको है ही। दूसरा तख्त है बापदादा का दिलतख्त और तीसरा है विश्व का तख्त, राज्य का तख्त। तो आप सबको यह तीन तख्त प्राप्त हैं ना! **सबसे श्रेष्ठ है बापदादा का दिलतख्त।** तो चेक करो तख्त पर रहते हो? क्योंकि बापदादा के दिलतख्त पर कौन बैठता है? जिसने सदा स्वयं भी बापदादा को अपने दिलतख्त में बिठाया है, जो सदा श्रेष्ठ स्थिति में मास्टर सर्वशक्तिवान है।

✴ क्योंकि हिम्मते बच्चे, एक बार तो बाप हजार बार मददगार है।

✴ अब बापदादा बच्चों का तो बेफिक्र बादशाह का रूप देख रहा है। अभी इसी रूप को सदा अनुभव करो। कोई भी कुछ भी आवे तो मेरे को तेरे में समा दो।

31-12-11

✴ प्यार तो है लेकिन बाप ने देखा कि कभी-कभी नटखट हो जाते हैं,तो बाप उस समय क्या करता? बाप देख-देख विशेष शक्ति देता रहता क्योंकि बाप यही चाहते हैं कि हर बच्चा राजा बच्चा है।

✴ क्योंकि बाप के सिकीलधे बच्चे तो हो। बाप ने आपको खास कहाँ-कहाँ से चुन करके अपना बनाया है।

18-1-12

✴ ब्रह्मा बाप ने जीवन में ही फरिश्तापन का स्वरूप दिखाया। कितनी जिम्मेवारी रही! सभी को योगी बनाना ही है लेकिन इतनी जिम्मेवारी होते भी आप सबने देखा न्यारा और प्यारा रहा। सदा बेफिक्र बादशाह रहा,फिकर

नहीं बेफिक्र बादशाह। **ऐसे ही आप बच्चों को भी अभी बाप समान बेफिक्र बादशाह फरिश्ता बनना ही है। यह दृढ़ संकल्प है, बनना ही है!**

✴ स्नेह का नज़ारा भी आज देखा, हर एक के दिल में कितना प्यार है लेकिन जितना प्यार है ना, साथ में उतना शक्ति भी चाहिए। अभी शक्ति को भरो। कभी भी कोई भी बहनें अपने को सिर्फ शक्ति नहीं, शिवशक्ति समझो। **शिव शक्ति, बाप साथ है। पाण्डवों से पाण्डवपति साथ है।**

✴ अभी सिर्फ जो आज कहा ना, पुरुषार्थ के आगे तीव्र शब्द सदा लगाओ। **तो तीव्र पुरुषार्थी बच्चे सदा बापदादा को अपने दिल में रखते** और बापदादा हर बच्चे को अपने दिल में रखते। सबके दिल में बापदादा है ना। हाथ उठाओ। दिल में कौन रहता है? बापदादा। और बापदादा के दिल में आप बच्चे हैं।

2-2-12

✴ हर एक का स्वमान है एक तो बाप के साथ-साथ है चमकती हुई आत्मा, बाप के साथ के कारण विशेष चमकती हुई दिखाई दे रही है। देख रहे हो? जैसे आकाश में भी यहाँ कोई-कोई सितारा विशेष चमकता है, ऐसे बाप के साथ-साथ होने कारण चमकती हुई आत्मा हो।

✴ आपसे कोई पूछे आपको क्या मिला है, तो क्या जवाब देंगे? अप्राप्त नहीं कोई वस्तु हम ब्राह्मणों के दिल में। **पाना था वो पा लिया।**

19-2-12

✴ बापदादा के पास चारों ओर के देश विदेश सब बच्चों का स्नेह पहुंच रहा है। बाप एक-एक स्नेही बच्चे को पदमगुणा स्नेह भरी मुबारक दे रहे हैं। यह स्नेह हर बच्चे को सहज कर्मयोगी बनाने वाला है। यह स्नेह सदा सहज बनाने वाला है। शक्तिशाली बनाने वाला है।

✴ तो सभी कहते तो हैं मेरा बाबा, मीठा बाबा, प्यारा बाबा। जब दिल से कहते हैं मेरा तो यह देह अभिमान जो 'मैं'के रूप में आता है, बाप सदा कहते हैं कि यह 'मैं' का भान जो आ जाता है, मैं जो करता हूँ, मैं जो कहता हूँ, वही ठीक है। एक मैं है कामन, मैं आत्मा हूँ और यह मेरा शरीर है। **दूसरा महीन मैं, जो सुनाया मैंने यह किया, मैं यह कर सकता हूँ, मैं ही ठीक हूँ, यह महीन मैं इसको खत्म करना है।** यह देह अभिमान इस रूप में आता है। तो आज बापदादा ने यह महीन मैं जो कभी बाप की विशेषता को भी मेरा मानकर 'मैं' का भान रखते हैं, इसको समाप्त करना। देखो, यादगार जो बनाते हैं उसमें भी जब बलि चढ़ाते हैं तो खुद नहीं बलि चढ़ते हैं लेकिन किसको बलि चढ़ाते हैं? बकरे को। बकरे को क्यों ढूंढा? क्योंकि बकरा मे मे ही करता है। भक्तों ने कॉपी तो बहुत अच्छी की है। तो आज के दिन यह देह अभिमान का मैं क्या पुरुषार्थ करके समाप्त कर सकते हो? बर्थ डे पर आये हो बाप के, तो कोई सौगात तो देंगे ना ! **तो बाप को और सौगात नहीं चाहिए, यह महीन मैं पन, यही बाप कहते हैं आज के जन्मदिन पर बाप को सौगात दे दो।**

✴ (बृजमोहन भाई आज इस टर्न में नहीं आये हैं, याद भेजी है) बाप की भी यादप्यार देना। उसको पदमगुणा मुबारक देना। (रमेश भाई ने कहा स्टूडियो का सामान आ गया है, कल रिकार्डिंग करेंगे) अच्छा हैं, धीरे-धीरे सब ठीक हो जायेगा। आप बेफिक्र हो के करते चलो।

✴ बाकी आपके तो दिल में स्वयं बाप बैठा है। इसका यादगार यहाँ आबू में ही दिलवाला मन्दिर है।

5-3-12

✴ **अभी संगमयुग में जो चाहे जितना चाहे उतना बाप से सहयोग मिल सकता है।**

✴ आपने भी अपने जीवन को रंगा है लेकिन आपका रंग कौन सा है? आप सभी का रंग है बाप के संग का रंग। तो सारा समय बाप के संग के रंग में रहते हो ना!

✴ तो क्यों आप डबल पवित्र, इतने महान बने हैं? क्योंकि आपको रंग कौनसा लगा है? परमात्मा के संग का रंग लगा है।

✴ तो आपने होली मनाई? बाप के संग के रंग की। अभी संग में बैठे हो ना तो संग के रंग की होली मना ली ना!

✴ बापने कहाँ कहाँ से 65 देशों से ढूंढकर निकाला है। **आप सबको भी खुशी और नशा है ना तो हमको बाप ने ढूंढ लिया।**

✴ बापदादा तो हर बच्चे को सकाश देता है। हर बच्चे को चला रहा हैऔर बच्चे जो बापदादा चला रहे हैं, उनका रेसपान्स भी देते हैं। अच्छा देते हैं।

✴ **सदा ऐसे समझो कि बाबा के साथ चल रहा हूँ। बाबा के साथ काम कर रहा हूँ, अकेला नहीं।**

✴ **साक्षी हो के सब यज्ञ का कार्य निमित्त बनके करते चलो। बाबा का साथ तो है ही। अकेला तो कोई कर नहीं सकता। बाप साथ है ही।** अच्छा है।

✴ बाबा जानते हैं, देखो कोई भी सेवा करते हैं बाबा की दी हुई सेवा है। बाप ने दी है। तो पहले बाप फिर सेवा। अच्छा है।

20-3-12

✴ ऐसे अपनी दिल में सदा बाप को रखते हुए बाप समान बन जायेंगे।

✴ अमृतवेले उठके जितने बजे भी उठ सको तो अमृतवेले बाप को याद करके रोज़ बाप से आशीर्वाद लो। बाप से आशीर्वाद मिलेगी जिससे खुश भी रहेंगे, निर्विघ्न भी रहेंगे। सब ठीक हो जायेंगे। आपमें शक्ति भरेगी तो उन्हों में भी शक्ति भरेगी। हो जायेगा सिर्फ यह थोड़ा उठके बाप को याद करके शक्ति लेते रहो। मेरा बाबा कहना और शक्ति लेना।

3-4-12

✴ आज बापदादा चारों ओर के अपने बेफिक्र बादशाहों को देख रहे हैं। हर एक बच्चा सवेरे से उठ बेफिक्र स्थिति में स्थित हो हर कर्म करता है। हर एक बच्चे को अनुभव है कि यह बेफिक्र बादशाह की जीवन बादशाही भी और बेफिक्र भी, कितनी प्यारी लगती है क्योंकि **आप सभी ने बाप को फिक्र देकरके फखुर ले लिया है।** फखुर भी अविनाशी फखुर ले लिया है। हर एक अनुभव करते हैं कि यह बेफिक्र जीवन कितनी प्यारी है। दिन रात कोई भी बात का फिक्र नहीं लेकिन फखुर है। जानते हो कि यह बेफिक्र रहने की जीवन बाप ने इस एक जन्म के लिए नहीं लेकिन अनेक जन्मों के लिए बेफिक्र बादशाह बना दिया। अभी अनुभव करते हो बेफिक्र जीवन अगर है तो सदा मस्तक में दिव्य ज्योति चमकती रहती है।

और अगर फिकर है तो माथे पर अनेक प्रकार के दु:खों का टोकरा भरा हुआ होता है। **यह बेफिक्र जीवन की विधि बहुत सहज है। जो भी हद का मेरा-मेरा है उसको तेरा कर दिया।मेरा और तेरा में एक मात्रा का ही फर्क है। मे और ते। लेकिन मेरे को तेरा करने से जीवन कितनी खुशनुमा बन जाती है।** बन गई है ना! कांध हिलाओ, बन गई। बेफिक्र जीवन बन गई।अभी बापदादा यही हर बच्चे से चाहता है कि **फिकर वाली जीवन का आधार है व्यर्थ संकल्प, तो हर बच्चे के अन्दर व्यर्थ संकल्प का निशान भी नहीं रहे** क्योंकि जब मेरे को तेरे में बदल दिया तो आप क्या हो गये? आप होगये बेफिक्र बादशाह और यह बेफिक्र बादशाह की जीवन कितनी प्यारी है। हर कर्म करते बेफिक्र बादशाह। कोई फिक्र नहीं क्यों, क्या, कैसे, कब तक... यह सब समाप्त हो गये। **बापदादा आज इस सीजन के लास्ट दिन यही चाहते हैं कि हर एक बच्चा व्यर्थ को मेरे के बदले तेरा कर दे। बाप आपे ही भस्म कर देंगे।**

✷ आने से ही मेरा बाबा कह के इतने खुश होते थे जो मेरा कहने में ही मेरा हो जाते थे, उनकी शक्ल, उनका उमंग बहुत अच्छा दिखाई देता था ।